मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 110
शनिवार, 31 अक्टूबर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आखिरी सांस तक देश की सेवा करता रहूंगाः पीएम मोदी



बनासकांठा, 30 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात और देश के लोगों की सेवा करना ही उनके सफर का मुख्य केंद्र रहा है। उन्होंने नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपने के लिए नागरिकों का आभार जताया और अपनी उपलब्धियों को उन्हें समर्पित किया। बनासकांठा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि एक साधारण परिवार का व्यक्ति–जिसके परिवार की पीढ़ियों ने कभी गांव का मुखिया बनने की भी कल्पना नहीं की थी–उसे गुजरात और बाद में पूरे देश की सेवा करने का अवसर मिला।

पीएम ने कहा कि एक साधारण परिवार का व्यक्ति–जिसके परिवार की पीढ़ियों ने कभी गांव का मुखिया बनने का सपना तक नहीं देखा था–उसे आपने इस योग्य समझा। आपने मुझे पहले गुजरात और फिर पूरे देश की सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही राष्ट्र सेवा है, और गुजरात का विकास देश के विकास में योगदान देता है। राष्ट्र के लिए मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसका श्रेय मेरे सभी देशवासियों को जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए मैं जीवन भर आपका ऋणी रहूंगा। और अपने जीवन के अंतिम क्षण तक, मैं आपकी सेवा में समर्पित रहूंगा। कृषि और सहकारी क्षेत्र में बनासकांठा के योगदान का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में पैदा होने वाले आलू को वैश्विक पहचान मिली है। साथ ही, उन्होंने गुजरात के बाहर सहकारी आंदोलन का विस्तार करने के लिए बनास डेयरी की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बनासकांठा के आलू दुनिया भर में मशहूर हैं। और कोई भी व्यक्ति बनासकांठा के लोगों के पास आकर यह दावा करने की हिम्मत नहीं करेगा कि वह आलू को सोने में बदल सकता है–क्योंकि वे खुद ही ऐसा कर रहे हैं! यहाँ 'बनास डेयरी' जैसा एक सहकारी ब्रांड है, जो सहकारी आंदोलन को न केवल यहाँ, बल्कि काशी सहित देश के अन्य हिस्सों में भी आगे बढ़ा रहा है। मैं बनास डेयरी का विशेष रूप से आभारी हूँ, क्योंकि आपके अनुभव और आपकी सेवाओं से मेरी काशी को भी लाभ मिल रहा है।

उन्होंने आलू प्रसंस्करण संयंत्र (potato processing plant) की क्षमता बढ़ाए जाने का भी जिक्र किया और कहा कि इससे आलू की अधिक मात्रा में खरीद हो सकेगी, जिससे किसानों को फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने फल और सब्जी उत्पादकों के लिए 'क्लस्टर विकास कार्यक्रम' के बारे में भी बात की।

इसके तहत टमाटर, आलू, मिर्च, अंगूर, केला, प्याज, संतरा, अनार और कोको जैसी विभिन्न फसलों के लिए 12 क्लस्टरों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस पहल से किसानों को नए बाग लगाने और मौजूदा बागों को फिर से बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, और पूरी परियोजना के लिए सब्सिडी भी दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि उत्तरी गुजरात के लिए मंजूर किए गए दो क्लस्टरों से बनासकांठा और साबरकांठा के आलू किसानों को फायदा होगा।

चमोली हेलीकॉप्टर हादसा : माणा घूमकर लौट रहे थे यात्री, पायलट समेत छह की मौत



चमोली, 30 अक्टूबर। उत्तराखंड में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। खराब मौसम के बीच बदरीनाथ धाम से सहस्त्रधारा हेलीपोर्ट के लिए रवाना हुआ ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर ज्योतिर्मठ क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार पायलट समेत सभी छह लोगों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर हाथी पहाड़ के ऊपर चांई गांव और लामबगड़ के बीच जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। मृतकों के शवों को दुर्गम जंगल से सड़क तक लाने की कार्रवाई की जा रही है।ज्योतिर्मठ के एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही संबंधित बचाव एजेंसियों को सक्रिय कर दिया गया था। जिला प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट किया गया है। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल छह लोग सवार थे। सभी की हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर में सवार तीर्थयात्री देश के प्रथम गांव माणा घूमने भी गए थे। इसके बाद सभी हेलीकॉप्टर से सहस्त्रधारा लौट रहे थे। इसी दौरान ज्योतिर्मठ क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हो गया। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।बता दें कि ट्रांस भारत एविएशन के हेलीकॉप्टर से जुड़ी यह पहली दुर्घटना नहीं है। इससे पहले भी कंपनी के हेलीकॉप्टरों की केदारनाथ मंदिर के पास और सेरसी हेलीपैड के निकट सड़क पर क्रैश लैंडिंग हो चुकी है। वहीं, कुछ दिन पहले इसी कंपनी के एक हेलीकॉप्टर की टिहरी जिले के चंबा के पास आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी थी।

सुप्रीम कोर्ट का पूर्व जदयू विधायक अनंत सिंह को 1 दिसंबर तक सरेंडर करने का आदेश



नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से निष्कासित विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद यादव हत्या मामले में एक दिसंबर तक आत्मसमर्पण करने का शुक्रवार को निर्देश दिया जिसे उनके (सिंह के) लिए झटका माना जा रहा है। सिंह को पिछले साल अक्टूबर में हुई इस हत्या की साजिश रचने के आरोप में पिछले साल एक नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। पटना उच्च न्यायालय ने इस साल 19 मार्च को उन्हें जमानत दे दी थी।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की खंडपीठ ने सिंह को मिली जमानत रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए आत्मसमर्पण का आदेश दिया। खंडपीठ ने बिहार पुलिस को मामले की जांच चार महीने के भीतर पूरी करने का भी निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने मामले को चार महीने बाद अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। हाल में जदयू ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में मोकामा के विधायक अनंत सिंह और पूर्व विधायक नीलम देवी को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। सिंह ने हाल में बिहार विधानपरिषद चुनाव में जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार अनुज सिंह के लिए प्रचार शुरू करके जदयू के खिलाफ कथित तौर पर बगावत का रुख अपना लिया था। यादव को सिंह का विरोधी माना जाता था और वह 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मोकामा सीट से प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रियदर्शी पीयूष का समर्थन कर रहे थे। पिछले साल 30 अक्टूबर को मोकामा में पीयूष के लिए चुनाव प्रचार करते समय यादव की हत्या कर दी गई थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। वकील ने दलील दी कि यादव का एकमात्र कसूर यह था कि वह विरोधी राजनीतिक दल के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे।

अमित शाह बोलेः यूपी में भाजपा सरकार अंगद का पैर, कोई हटा नहीं सकता; यूसीसी लागू करने का भी किया एलान

लखनऊ, 30 अक्टूबर। लखनऊ में भाजपा कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी में तीसरी बार सरकार बनने पर प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को यूपी से कोई हटा नहीं सकता है। यूपी में 30 अक्तूबर का बड़ा योगदान है। आज के ही दिन 1990 में अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। मैं पूछना चाहता हूं कि आप किस मुंह से सरकार बनाने की बात करते हैं। आपने रामभक्तों पर गोलियां चलाईं हमने राम मंदिर बना दिया। आपकी तीसरी पीढ़ी को भी जनता माफ नहीं करेगी। कल्याण सिंह ने सरकार की चिंता किए बिना विवादित ढांचे को ध्वस्त कराया था। उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा सरकार अंगद का पैर है उसे कोई नहीं हटा सकता है। उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है कोई दुविधा नहीं है। यूपी में तीसरी बार सरकार बना दो यहां भी यूसीसी लागू करेंगे।गृहमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा-कांग्रेस मैच हारने के बाद अंपायर पर आरोप लगा रहे हैं कि वोट चोरी हुई। भाजपा संसद में चर्चा के लिए तैयार है। एक बार आ आइए विशेष सत्र बुलाते हैं। हम एक एक बात का जवाब देने को तैयार हैं। संसद में चर्चा कीजिए। अमित शाह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैं योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने कठोर शासन देकर यूपी को माफियाओं से मुक्त किया है। यूपी से भाजपा को कोई हिला नहीं सकता है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप सब कमर कस लो। अर्जुन की तरह मछली की आंख पर नजर रखो हमें तीसरी बार सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि 2014 में यूपी में हमारे केवल 44 विधायक थे तब बहुत निराशा थी। मैं तहसील तक गया। एक बार संगठन ठीक हो गया तो 2014 में यूपी में 41 प्रतिशत वोट के साथ 73 सीटें जीतीं। 2016 में नोटबंदी हुई थी तो अखिलेश यादव को रात भर नींद नहीं आई थी। हमने 40 प्रतिशत वोट लेकर 312 सीट जीती थीं।इसके पहले, यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने के लिए गृहमंत्री अमित शाह आज लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी मौजूद रहे। डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के सभागार में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अध्यक्षता में हो रही बैठक का शुभारंभ गृहमंत्री अमित शाह ने किया। बैठक में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्या, विनोद तावड़े, स्मृति ईरानी, जितिन प्रसाद व अन्य भाजपा के नेता, मंत्री, सांसद और विधायक मौजूद हैं। अपने स्वागत भाषण में बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भाजपा के सभी नेताओं और कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज आयोजित प्रदेश की कार्यसमिति में हम सब केवल एक औपचारिक बैठक में एकत्र नहीं हुए हैं बल्कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के संगठन की शक्ति का मूल्यांकन करने, अपनी उपलब्धियों की समीक्षा करने के साथ ही भविष्य की दिशा तय करने नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने के लिये एकत्रित हुए हैं।



चक्रवात अर्नबः ओडिशा के गंजाम में 4 रक्षा हेलीकॉप्टरों से गिराए गए 4500 किलो अनाज के पैकेट

ओडिशा। ओडिशा सरकार ने चक्रवात अर्नब के कारण उत्पन्न हुए हालात से निपटने के लिए शुक्रवार को राहत एवं बचाव अभियान तेज करते हुए बाढ़ प्रभावित गंजाम जिले में खाद्य पैकेट गिराने के लिए रक्षा बलों के चार हेलीकॉप्टर तैनात किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चक्रवात अर्नब के कारण हुई भारी बारिश के बाद जिले में हजारों लोग 24 घंटे से अधिक समय से बाढ़ में फंसे हुए हैं।विशेष राहत आयुक्त राजेश पी. पाटिल ने बताया कि चार हेलीकॉप्टरों ने जिले के चिह्नित 21 स्थानों पर खाद्य पैकेट गिराने शुरू कर दिए हैं और इन स्थानों पर तैनात कर्मियों को खाद्य पैकेट फंसे हुए लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों के अनुसार, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर इस अभियान में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि इनके जरिए हिंजिलिकट, पुरुषोत्तमपुर, शेरगड़ा, धराकोट, अस्का, बेलागुंठा, भंजनगर और चिकिटी समेत उन इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, जहां बाढ़ के कारण कई स्थानों का संपर्क टूट गया है।

आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा, इन पैकेटों में 4,500 किलोग्राम तक अनाज है, जिन्हें एक स्थान पर गिराया जाएगा। वहां तैनात अधिकारी बाद में प्रभावित लोगों के बीच इसका वितरण करेंगे। उन्होंने बताया कि अन्य प्रभावित लोगों को बचाव दलों की ओर से पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

उत्तराखंड में कड़ाके की ठंड का प्रकोप, केदारनाथ समेत ऊंची पहाड़ियों पर बिछी बर्फ की सफेद चादर, 5 जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

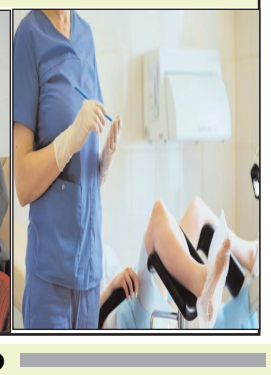
उत्तराखंड, 30 अक्टूबर। उत्तराखंड में मौसम के बदले मिजाज ने पूरे प्रदेश को कड़ाके की ठंड की चपेट में ले लिया है। केदारनाथ धाम सहित राज्य के ऊंचे हिमालयी क्षेत्रों में जहां लगातार बर्फबारी जारी है, वहीं मैदानी और निचले इलाकों में रुक-रुक कर हो रही बारिश से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बदलते और खराब मौसम को देखते हुए मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने प्रदेश के पांच जिलों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और अंधड़ की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सभी अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में ट्रेकिंग व पर्वतारोहण जैसी गतिविधियों को तत्काल नियंत्रित करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अधिकारियों को सतर्कता बरतने और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्वतों पर चढ़ाई से जुड़ी गतिविधियों को नियंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि केदारनाथ, गंगोत्री, औली समेत अनेक ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फबारी जारी रही जबकि बदरीनाथ के चारों ओर ऊंची पहाड़ियों जैसे नीलकंठ पर्वत और नर-नारायण पर्वत पर जमकर हिमपात हुआ। केदारनाथ में बृहस्पतिवार से लगातार बर्फबारी जारी है जिससे पूरे क्षेत्र में बर्फ की एक मोटी सफेद चादर सी बिछ गयी है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्य विनीत पोस्ती ने बताया कि पिछले 24 घंटे से भी अधिक समय से पूरे केदारनाथ क्षेत्र में लगातार बर्फबारी हो रही है।

उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बर्फबारी ने पूरे धाम और उसके आसपास के क्षेत्र को लकदक कर दिया है और बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी है। खराब मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत रुद्रप्रयाग प्रशासन ने आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। बर्फबारी के बीच दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं के लिए एक परामर्श भी जारी किया गया है जिसमें उनसे ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, समय-समय पर गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने, ठंड में अधिक समय तक न रुकने, अस्वस्थ महसूस करने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने, प्रतिकूल मौसम में अनावश्यक जोखिम न उठाने तथा प्रशासन द्वारा जारी मौसम संबंधी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गयी है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध







TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373



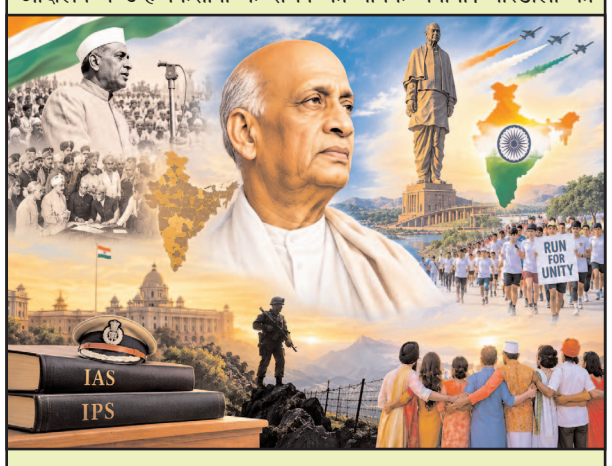
राष्ट्रीय एकता दिवस विशेष: 31 अक्टूबर 2026 पर विशेष:

सरदार पटेल: नये भारत के शिल्पकार और स्वप्नद्रष्टा युगपुरुष



-ललित गर्ग

किसी राष्ट्र का निर्माण केवल स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने से नहीं होता, बल्कि स्वतंत्रता को एकता, अखंडता, सुरक्षा और सामूहिक संकल्प की शक्ति में बदलने से होता है। भारत की स्वतंत्रता के बाद यह सबसे बड़ी चुनौती थी। देश के सामने रियासतों का बिखराव था, विभाजन की पीड़ा थी, सांप्रदायिक तनाव था, सीमाओं पर असुरक्षा थी और नवजात लोकतंत्र के सामने अनेक राजनीतिक एवं प्रशासनिक संकट थे। ऐसे कठिन समय में यदि किसी एक व्यक्तित्व ने भारत को भौगोलिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया, तो वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल। उनकी 151वीं जयंती पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सरदार पटेल का व्यक्तित्व उस चट्टान की तरह था, जिस पर कठिन से कठिन परिस्थितियों की लहरें टकराकर लौट जाती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी दृढ़ता, संगठन क्षमता और जन नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में विशिष्ट स्थान दिलाया था। खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली आंदोलन ने उन्हें किसानों के संघर्ष का नायक बनाया। बारडोली की



महिलाओं द्वारा दिया गया ह्यसरदारह्न संबोधन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की राष्ट्रीय पहचान बन गया। लेकिन उनकी वास्तविक ऐतिहासिक भूमिका स्वतंत्रता के बाद सामने आई, जब भारत को एक राष्ट्र के रूप में संगठित करना सबसे बड़ी आवश्यकता थी।

उस समय देश में 562 से अधिक रियासतें थीं। अनेक रियासतों के शासक स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने अथवा भारत से अलग रहने की आकांक्षा रखते थे। ऐसी स्थिति में भारत का राजनीतिक मानचित्र खंडित हो सकता था। सरदार पटेल ने अपनी राजनीतिक दृढ़ता, असाधारण कूटनीति और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से इस चुनौती का समाधान किया। उन्होंने जहां आवश्यकता हुई वहां संवाद का सहारा लिया, जहां जरूरी हुआ वहां दृढ़ता दिखाई और जहां राष्ट्रीय हित सर्वोपरि था वहां किसी दबाव के सामने झुकने से इनकार कर दिया। हैदराबाद का भारत में विलय इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। यह केवल रियासतों का विलय नहीं था, बल्कि एक आधुनिक राष्ट्र की आधारशिला रखने वाला ऐतिहासिक अभियान था। पटेल की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, राष्ट्र निर्माण का दायित्व मानते थे। उनके लिए राष्ट्रीय हित किसी दल, विचारधारा, क्षेत्र अथवा समुदाय से ऊपर था। वे जानते थे कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल भावनात्मक नारों से नहीं हो सकती। इसके लिए मजबूत प्रशासन, अनुशासित शासन, स्पष्ट विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा की ठोस व्यवस्था आवश्यक है। पाकिस्तान की नीतियों, कश्मीर के प्रश्न और सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर उनकी चिंताएं इसी राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टि का प्रमाण थीं। चीन की तिब्बत संबंधी नीति को लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 7 नवंबर 1950 को लिखे पत्र में जिस प्रकार आगाह किया था, वह उनकी सामरिक दूरदृष्टि का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सद्भावना के साथ-साथ सतर्कता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा को भी अनिवार्य माना।

सरदार पटेल की दूरदर्शिता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का निर्माण था। स्वतंत्रता के बाद अनेक लोग अंग्रेजों की बनाई प्रशासनिक सेवाओं को समाप्त करने के पक्ष में थे, लेकिन पटेल ने इनके महत्व को समझा। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत आधार प्रदान किया। उनका मानना था कि देश की एकता और प्रशासनिक स्थिरता के लिए ऐसी संस्थाएं जरूरी हैं, जो राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती रहें। उन्होंने अधिकारियों में यह विश्वास पैदा किया कि अब उनकी निष्ठा किसी विदेशी शासन के प्रति नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत और उसके नागरिकों के प्रति होनी चाहिए। इसीलिए उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाओं का संरक्षक भी कहा जाता है। उनकी राजनीतिक दृष्टि में दृढ़ता थी, लेकिन वह हठधर्मिता नहीं थी। वे जानते थे कि राष्ट्र केवल कानून और प्रशासन से नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और नागरिक उत्तरदायित्व से भी मजबूत होता है। वे राष्ट्रीय एकता को विविधताओं के निषेध के रूप में नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच साझा राष्ट्रीय चेतना के विकास के रूप में देखते थे। भारत की भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और आस्थाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन राष्ट्र के प्रति निष्ठा और संविधान के प्रति सम्मान सबको एक सूत्र में बांधते हैं। आज जब समाज में वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय आग्रह, जातीय विभाजन और राजनीतिक कटुता की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, तब पटेल का यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

आज जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्वशक्ति के रूप में स्थापित होने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तब सरदार वल्लभभाई पटेल के विचार, दृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की भावना पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठती है। उन्होंने जिस अखंड भारत की कल्पना की थी, उसकी मजबूती का आधार केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता, प्रशासनिक दृढ़ता और सामूहिक उत्तरदायित्व था। आज भारत के सामने आर्थिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता, आंतरिक सुरक्षा, सुशासन और वैश्विक नेतृत्व की जो चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ हैं, उनके समाधान में पटेल की राष्ट्रनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यावहारिक नेतृत्व दृष्टि मार्गदर्शक बन सकती है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की विविधता उसकी शक्ति बने, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहे और प्रत्येक नागरिक राष्ट्रनिर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। इस दृष्टि से सरदार पटेल केवल इतिहास के महानायक नहीं, बल्कि 2047 के भारत की दिशा और दशा निर्धारित करने वाले प्रेरणास्रोत हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अदम्य साहस, लौह इच्छाशक्ति, अनुशासन, स्पष्टवादिता, संगठन क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और अटूट राष्ट्रभक्ति का विलक्षण समन्वय था। वे दृढ़ संकल्प के धनी होने के साथ-साथ अत्यंत व्यावहारिक, दूरदर्शी और निर्णय लेने में असाधारण क्षमता रखने वाले राजनेता थे। वे केवल स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी या देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री ही नहीं थे, बल्कि ऐसे राष्ट्रशिल्पी थे जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता को स्थायी आधार प्रदान किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि महान राष्ट्रों का निर्माण केवल संकल्पों से नहीं, बल्कि चरित्रबल, अनुशासन, कर्मनिष्ठा, त्याग और सामूहिक प्रतिबद्धता से होता है। यही वे शाश्वत गुण हैं, जिनकी आज के भारत और आने वाली पीढ़ियों को सर्वाधिक आवश्यकता है। आज भारत आर्थिक महाशक्ति बनने, वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन विकास की इस यात्रा की सबसे बड़ी शर्त आंतरिक एकता और राष्ट्रीय सुरक्षा है। आर्थिक समृद्धि तभी स्थायी हो सकती है, जब देश सामाजिक रूप से संगठित, राजनीतिक रूप से स्थिर और सामरिक रूप से सुदृढ़ हो। सरदार पटेल का जीवन हमें यही सिखाता है कि राष्ट्र की शक्ति उसके संसाधनों से अधिक उसके संकल्प, नेतृत्व और एकजुट नागरिक चेतना में निहित होती है।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख: क्या अब सुधरेंगे फ्रॉड पीड़ितों के हालात?



अशोक भाटिया

भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित 'केवाईसी गाइडलाइंस' में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दशार्ता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है।

इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कोई अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पीड़ित की सादगी नहीं, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता होती है। अदालत ने इसी बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुराने पैटर्न से अलग कोई 'असामान्य ट्रांजैक्शन' या संदिग्ध लेनदेन होता है, तो बैंक को उस पर तुरंत अस्थाई रोक लगानी होगी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तैदी से लागू होता, तो आज आठ सौ करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोका जा सकता था।

इस पूरे संगठित अपराध की रीढ़ की हड्डी 'म्यूल अकाउंट्स' यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत या फिर बैंकों के ढीले रवैये के, हजारों की संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर खाते खोलना और उनमें करोड़ों का लेन-देन होना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इन फर्जी खातों के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए साफ किया है कि बैंकों को अपने ग्राहक को जानो की प्रक्रिया को केवल एक कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनाना होगा। अब तक बैंक इन फर्जी खातों के जरिए होने वाले अपराधों से खुद को अलग कर लेते थे और सारा दोष पुलिस या पीड़ित पर मढ़ दिया करते थे। लेकिन इस नए आदेश के बाद जब लापरवाही साबित होने पर मुआवजा देना बैंकों के लिए कानूनी रूप से अनिवार्य हो जाएगा, तब वित्तीय संस्थानों को अपनी तकनीकी सुरक्षा और आंतरिक निगरानी तंत्र को दुरुस्त करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जब बैंकों को यह समझ आएगा कि सुरक्षा में चूक की कीमत उनके अपने मुनाफे से कटेगी, तब वे संदिग्ध खातों पर नजर रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत सुरक्षा प्रणालियों में निवेश करने को तत्पर होंगे। इसके साथ ही, बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी संदिग्ध डिजिटल अरेस्ट या वित्तीय धोखाधड़ी की गतिविधि की भनक लगते ही तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें, जिससे वित्तीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था के बीच एक मजबूत और त्वरित तालमेल स्थापित हो सके।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक आदेश जितना स्वागत योग्य है, इसे जमीन पर उतारने की राह में उतनी ही जटिल चुनौतियां भी खड़ी हैं। सबसे बड़ा कानूनी और व्यावहारिक संकट यह उठेगा कि 'बैंक की लापरवाही' और 'ग्राहक की गलती' के बीच की महीन रेखा को कौन और कैसे तय करेगा। बैंक निश्चित रूप से हर मामले में अपनी कानूनी टीमों के सहारे यह साबित करने की पुरजोर कोशिश करेंगे कि उपभोक्ता ने स्वयं अपनी संवेदनशील वित्तीय जानकारियां या क्रेडेंशियल्स साझा किए थे, और इसलिए बैंक मुआवजे के लिए कतई उत्तरदायी नहीं है। इसके अलावा, बैंकिंग लॉबी की ओर से इस बात को लेकर भी कानूनी प्रतिरोध देखने को मिल सकता है कि तकनीकी रूप से सुरक्षित प्रणालियों के बावजूद यदि कोई उपभोक्ता 'सोशल इंजीनियरिंग' या मनोवैज्ञानिक दबाव (जैसे डिजिटल अरेस्ट) का शिकार होता है, तो उसकी पूरी वित्तीय देनदारी बैंक पर कैसे थोपी जा सकती है। इसके लिए आरबीआई को अपने संशोधित नियमों में बहुत स्पष्ट, निष्पक्ष और पारदर्शी मापदंड तय करने होंगे ताकि पीड़ितों को न्याय पाने के लिए बैंकों के चक्कर न काटने पड़ें और न ही उन्हें उपभोक्ता अदालतों के अंतहीन मुकदमों में उलझना पड़े। एक और चिंताजनक पहलू इस कानून के लागू होने की समयसीमा है। दिसंबर दो हजार छब्बीस तक का समय अपराधियों को नए रास्ते खोजने का मौका दे सकता है, इसलिए इस संक्रमण काल के दौरान भी बैंकों को अपनी स्वेच्छा से सुरक्षा मानकों को कड़ा करना चाहिए। निष्कर्षतः, सुप्रीम कोर्ट का यह कड़ा रुख देश के करोड़ों डिजिटल उपभोक्ताओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है। डिजिटल इंडिया का सपना तभी पूरी तरह साकार और सफल हो सकता है, जब देश का हर नागरिक डिजिटल रूप से खुद को सुरक्षित महसूस करे। अदालत ने अपना काम बखूबी कर दिया है और अब गेंद पूरी तरह से रिजर्व बैंक और देश के तमाम वाणिज्यिक बैंकों के पाले में है। उन्हें यह समझना होगा कि वित्तीय सुरक्षा में सेंध केवल एक व्यक्ति का नुकसान नहीं, बल्कि पूरी बैंकिंग व्यवस्था से जनता के भरोसे का उठ जाना है, और इस भरोसे को बनाए रखना अब उनकी कानूनी मजबूरी भी है।

यूपी एमएलसी चुनाव: संगठन की निष्क्रियता ने आलाकमान को दिखाया आईना

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों पर हुए हालिया चुनाव के नतीजों ने राज्य की सियासत में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी, दोनों ही खेमों में अपनी-अपनी जीत के दावे किए जा रहे हैं और खुशियां मनाई जा रही हैं। भारतीय जनता पार्टी के पास पहले भी इन 11 में से छह सीटें थीं और इस बार भी वह छह सीटें अपनी झोली में डालने में सफल रही है, जिससे वह तकनीकी तौर पर अपनी स्थिति बरकरार रखने का दावा कर रही है। दूसरी तरफ, समाजवादी पार्टी के लिए यह चुनाव एक बड़ी मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक बढ़त लेकर आया है, क्योंकि उसकी सीटों की संख्या में दो सीटों का इजाफा हो गया है। पार्टी की ताकत परिषद में बढ़ी है, लेकिन आंकड़ों के इस खेल से इतर सबसे ज्यादा चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी यानी वाराणसी की स्नातक विधान परिषद सीट पर भाजपा को मिली करारी शिकस्त की हो रही है। वीवीआईपी क्षेत्र में सत्ताधारी दल की यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं है, बल्कि इसने पार्टी के भीतर सरकार और संगठन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस चुनावी सफलता से उत्साहित होकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या और मथुरा के बाद अब काशी में भी भाजपा की हार और सपा की जीत को एक बड़ा सियासी संदेश बताया है। उन्होंने इसे प्रभु का विशेष आशीर्वाद करार देते हुए कहा है कि जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है और धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व वाले इन प्रमुख केंद्रों पर विपक्ष की जीत इस बात का सीधा प्रमाण है। हालांकि, दावों और जश्न के इस दौर के बीच छिपी हकीकत बेहद कड़वी है। जमीनी हकीकत यही बयां करती है कि भारतीय जनता पार्टी को इस विधान परिषद चुनाव में भारी फजीहत का सामना करना पड़ा है। इस शिकस्त के पीछे राज्य सरकार और दलीय संगठन, दोनों की ही घोर लापरवाही और तालमेल की कमी खुलकर सामने आई है। राजनीति के गलियारों में यह चर्चा आम हो गई है कि उत्तर प्रदेश में सरकार अब संगठन से बड़ी हो चुकी है, जिसके कारण कार्यकर्ताओं की आवाज और जमीनी इनपुट की अनदेखी की जा रही है। वहीं दूसरी ओर, संगठन का नेतृत्व ऐसे चेहरों के हाथों में चला गया है, जो खुद जमीनी मेहनत करने के बजाय सिर्फ नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के करिश्माई चमत्कार के सहारे सब कुछ हासिल कर लेने का मुगालता पाले बैठे रहते हैं।

उधर, सपा की इस अप्रत्याशित



-संजय सक्सेना

सफलता के पीछे पार्टी आलाकमान की एक बेहद सूक्ष्म और त्रिस्तरीय दीर्घकालिक रणनीति सक्रिय थी, जिसने सत्तापक्ष को संभलने का मौका ही नहीं दिया। अखिलेश यादव ने चुनाव की घोषणा से काफी पहले ही सिर्फ जिताऊ और स्थानीय समीकरणों में फिट बैठने वाले प्रत्याशियों का चयन कर लिया था, जिन्हें उन्होंने पीडीए के पांडव कहकर संबोधित किया। विपक्ष की इस विशेष रणनीति के तहत केवल बड़े बयानों पर निर्भर रहने के बजाय चुपचाप जमीन पर काम किया गया। सपा ने अपने मौजूदा विधायकों, सांसदों के साथ-साथ पूर्व जनप्रतिनिधियों की एक विशाल टीम को सिर्फ मतदाता बनाने और जिलों में सघन प्रचार के लिए उतार दिया था। जिला संगठनों को सक्रिय कर हर एक बूथ स्तर पर स्नातक और शिक्षक मतदाताओं से सीधा संवाद साधा गया, जिसकी निरंतर समीक्षा खुद अखिलेश यादव कर रहे थे। सपा प्रमुख द्वारा वाराणसी और आगरा जैसे संवेदनशील केंद्रों पर 500-500 समर्पित कार्यकताओं की टोलियां शिफ्ट में तैनात की गई थीं, ताकि वोटों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इस बेहद सधे हुए और शांत सांगठनिक घेराबंदी की भनक विपक्ष के प्रत्याशियों को आखिरी वक्त तक नहीं लग सकी, जिसके बूते सपा न केवल विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष (की अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब रही, बल्कि उसने सत्ताधारी दल के अभेद्य किलों में सेंध भी लगा दी।

परिषद चुनाव में भाजपा आलाकमान की लापरवाही भी कम जिम्मेदार नहीं रही। संगठन के शीर्ष स्तर पर फैसलों में देरी और मंत्रियों को सांगठनिक जिम्मेदारी सौंपने की नीति पार्टी पर भारी पड़ी है। उदाहरण के तौर पर, केंद्रीय मंत्री होने के कारण भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी संगठन के कार्यों के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पा रहे हैं। एक व्यक्ति के पास दो बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होने की वजह से उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में संगठन को जिस सघन समय और ऊर्जा की आवश्यकता थी, वह उसे नहीं मिल सकी। इसका सीधा असर चुनाव की तैयारियों पर पड़ा। जमीनी स्तर पर हालात इतने बदतर हो चुके थे कि बीजेपी के परंपरागत मतदाताओं का नाम तक पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी और कार्यकर्ता वोटर लिस्ट में शामिल नहीं करा पाए। पूरे प्रदेश में ऐसे तमाम स्नातक और शिक्षक मतदाता मौजूद थे, जो भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक समर्थक थे और चुनाव में वोट देना चाहते थे, लेकिन प्रशासनिक शिथिलता और पार्टी की सुस्ती के कारण चाहकर भी उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो सका। इनमें से बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता थे, जिन्होंने वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए अपने भरे हुए फॉर्म काफी समय पहले ही बीजेपी के स्थानीय कार्यकर्ताओं और प्रभारियों को सौंप दिए थे, मगर संगठन के सुस्त तंत्र ने उन फॉर्मों को समय पर आगे नहीं बढ़ाया।

वोटर लिस्ट के प्रबंधन में बरती गई इसी घोर लापरवाही का नतीजा था कि भाजपा को अपनी मजबूत पकड़ वाली लखनऊ स्नातक सीट पर भी हार का मुंह देखना पड़ गया। राजधानी में पार्टी के गढ़ में इस तरह की हार संगठन की आंखें खोलने वाली है। अगर समग्र रूप से इन 11 सीटों के चुनावी नतीजों का गहरा विश्लेषण किया जाए, तो यह साफ हो जाता है कि मध्यवर्गीय, शिक्षक और शिक्षित युवा वर्ग, जो लंबे समय से भाजपा का मजबूत वोट बैंक माना जाता रहा है, उसके भीतर कहीं न कहीं व्यवस्था को लेकर असंतोष और नाराजगी पनप रही है। इसके विपरीत, भाजपा का चुनावी तंत्र अति-आत्मविश्वास का शिकार रहा। कार्यकताओं में वह पुराना जोश और सक्रियता गायब दिखी, जो कभी पन्ना प्रमुख स्तर तक दिखाई देती थी। जब संगठन का कार्यकर्ता निष्क्रिय हो जाता है और मतदाता से सीधा संपर्क टूट जाता है, तो सत्ता का संरक्षण भी चुनाव जिताने में नाकाफी साबित होता है। इस चुनाव ने भाजपा को स्पष्ट संदेश दिया है कि केवल बड़े नेताओं के दौरों और रैलियों के भरोसे स्थानीय और निकाय स्तर के चुनावों को नहीं जीता जा सकता। यदि वोटर लिस्ट तैयार करने जैसे बुनियादी संगठनात्मक कार्यों में इतनी बड़ी कोताही बरती जाएगी, तो आने वाले बड़े चुनावों में इसके और भी गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। काशी और लखनऊ जैसे शहरों में मिली हार भाजपा के लिए आत्मनिरीक्षण का एक बड़ा अवसर है, जहां उसे सरकार और संगठन के बीच के संतुलन को फिर से कायम करना होगा। साथ ही, संगठन को ऐसे समर्पित चेहरों को सौंपना होगा, जो मंत्रियों के प्रोटोकॉल से दूर रहकर चौबीसों घंटे कार्यकताओं के बीच उपलब्ध रहें और जमीनी स्तर पर पार्टी की नींव को मजबूत कर सकें, अन्यथा विपक्ष इसी तरह एक-एक कर उसके अभेद्य किलों में सेंध लगाता रहेगा।

बिखरी रियासतों को जोड़कर लिखी अखंड भारत की इबारत



-सुरेश गांधी

भारत का इतिहास केवल युद्धों, आंदोलनों और सत्ता परिवर्तन की गाथा नहीं है। यह उन असाधारण व्यक्तित्वों की भी दास्तां है, जिन्होंने असंभव दिखाई देने वाली परिस्थितियों में भविष्य के भारत की नींव रखी। सरदार वल्लभभाई पटेल ऐसे ही व्यक्तित्व थे। उन्होंने आजादी के बाद भारत को केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के उत्सव तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे एक संप्रभु, संगठित और अखंड राष्ट्र के रूप में खड़ा करने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया। जिस समय देश आजादी की सांस ले रहा था, उसी समय उसके सामने बिखरने का खतरा भी मंडरा रहा था। सैकड़ों रियासतें, अलग-अलग शासक, अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाएं और अनिश्चित भविष्य। ऐसे दौर में पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, राजनीतिक दूरदर्शिता और असाधारण कूटनीति से इतिहास की दिशा बदल दी।

उन्होंने वीपी मेनन के सहयोग से 500 से अधिक रियासतों के भारतीय संघ में विलय की प्रक्रिया को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाया। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे जटिल मामलों का समाधान उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण बना। 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में जन्मे पटेल का किसान परिवार से निकलकर राष्ट्र के लौह पुरुष बनने तक का सफर संघर्ष और समर्पण की मिसाल है। खेड़ा के किसान आंदोलन से लेकर 1928 के बारडोली सत्याग्रह तक उन्होंने जनशक्ति को संगठित किया। बारडोली की महिलाओं ने ही उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी थी। स्वतंत्र भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में उन्होंने अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा दुनिया को उनका कद दिखाती है, लेकिन उनकी असली विरासत भारत की एकता है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर सवाल यही है कि क्या हम उनकी विरासत को केवल समारोहों में याद करेंगे या सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और राष्ट्रीय जिम्मेदारी में भी उतारेंगे? जिस सरदार ने भारत का भूगोल जोड़ा, उनकी सच्ची श्रद्धांजलि उस एकता को अपने आचरण में जीवित रखना है जिसने बिखरे भूगोल को राष्ट्र की धड़कन बना दिया. वे स्वतंत्रता सेनानी थे, कुशल प्रशासक थे, संगठनकर्ता थे और सबसे बढ़कर राष्ट्र की एकता के सजग प्रहरी थे।

बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद उन्हें 'सरदार' की उपाधि मिली। यह उपाधि किसी सत्ता ने नहीं, जनता ने अपने संघर्षशील नेता को दी थी।

आजादी मिली, मगर भारत का नक्शा अधूरा था

15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ, लेकिन राजनीतिक आजादी के साथ एक बड़ी चुनौती सामने थी। ब्रिटिश शासन के अधीन रही लगभग 562 रियासतों के भविष्य का प्रश्न देश की एकता के सामने खड़ा था। कहीं विलय को लेकर असमंजस था तो कहीं स्वतंत्र रहने की महत्वाकांक्षा। हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसे मामले बेहद जटिल थे। ऐसे समय में देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार पटेल ने वीपी मेनन के साथ मिलकर रियासतों के भारत में विलय की ऐतिहासिक प्रक्रिया को दिशा दी। यह केवल दस्तखत कराने का अभियान नहीं था। यह विश्वास, संवाद, राजनीतिक कौशल और जरूरत पड़ने पर दृढ़ निर्णय लेने की क्षमता का असाधारण उदाहरण था। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे मामलों में परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग रणनीतियां अपनाई गईं। पटेल जानते थे कि राष्ट्र केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि ठोस राजनीतिक निर्णयों से भी बनता है। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह थी कि उन्होंने अलग-अलग रियासतों को एक साझा राष्ट्रीय पहचान के सूत्र में पिरोने का काम किया। आज हम जिस भारत को एक राजनीतिक इकाई के रूप में देखते हैं, उसकी नींव में पटेल के प्रयासों की निर्णायक भूमिका है।

लौह पुरुष का अर्थ कठोरता नहीं, निर्णय लेने का साहस था

सरदार पटेल को 'लौह पुरुष' कहा जाता है। अक्सर इस उपाधि को उनकी कठोरता से जोड़कर देखा जाता है, जबकि उनके व्यक्तित्व की असली ताकत दृढ़ता और



जब भारत बंटने के मुहाने पर था, सरदार ने जोड़ दिया इतिहास

व्यावहारिकता का संतुलन थी। वे जानते थे कि कहां संवाद करना है, कहां समझौते की गुंजाइश तलाशनी है और कहां राष्ट्रहित में अडिग रहना है। उनका प्रशासनिक दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका के कारण उन्हें भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का प्रमुख शिल्पकार माना जाता है। उनका विश्वास था कि एक मजबूत प्रशासनिक ढांचा ही विशाल और विविधतापूर्ण देश को एक साथ रख सकता है।

आज भी अधूरा है एकता का असली अर्थ

सरदार पटेल की जयंती पर हर वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। देशभर में एकता दौड़, समारोह और श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित होते हैं। गुजरात के केवड़िया में स्थापित उन

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर मुलुंड में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन



मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवादल की ओर से मुलुंड पश्चिम स्थित जी.एस. शेट्टी ग्रैंड सेंट्रल हॉल, एन.एस. रोड में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश शंकर शेट्टी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, सेवादल, युवक कांग्रेस और महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में फोर्टिस हॉस्पिटल के चिकित्सा विशेषज्ञों एवं तकनीकी कर्मचारियों ने रक्तदान और स्वास्थ्य जांच के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर राकेश शेट्टी ने रक्तदान को मानवता की सर्वोत्तम सेवा बताते हुए लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के साहस, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि जनकल्याण एवं सामाजिक सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी से ही दी जा सकती है। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस कार्यकताओं ने सामाजिक जिम्मेदारी, स्वास्थ्य जागरूकता और मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की।

गोवर्धन पूजा महोत्सव में शामिल होंगे विधान परिषद उपसभापति सचिन भाऊ अहीर



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यादव समाज की ओर से आगामी 9 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले गोवर्धन पूजा एवं दीपावली स्नेह मिलन महोत्सव में महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति एवं श्रमिक नेता सचिन भाऊ अहीर को प्रमुख अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर यादव समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सचिन भाऊ अहीर से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया और गोवर्धन पूजा महोत्सव में उपस्थित होकर समाज के लोगों का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया। सचिन भाऊ अहीर ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात के दौरान पी. डी. यादव, डॉ. बृजेश यादव, प्रदीप गवली, चंद्रभान यादव, राजेन्द्र यादव, मनोज यादव सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि सचिन भाऊ अहीर की उपस्थिति से गोवर्धन पूजा एवं दीपावली स्नेह मिलन महोत्सव की गरिमा बढ़ेगी।

पालघर जिला परिषद की अनूठी पहल

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्रवण दोष के कारण संवाद स्थापित करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर कर कर्णबधिर विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से बोलने और अपनी बात व्यक्त करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से पालघर जिला परिषद ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत जिले के चार अनुदानित कर्णबधिर विद्यालयों को करीब 20 लाख रुपये की लागत वाला अत्याधुनिक डॉक्टर स्पीच सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया गया है। इस पहल से जिले के लगभग 400 विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से श्रवण, भाषा और वाणी कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

इस विशेष पहल के क्रियान्वयन का जायजा लेने के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा समाज कल्याण अधिकारी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने पालघर स्थित कर्णबधिर विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराये गये डॉक्टर स्पीच सॉफ्टवेयर का निरीक्षण किया। साथ ही शिक्षकों से सॉफ्टवेयर के उपयोग, विद्यार्थियों को दिए जाने वाले अभ्यास तथा उनके बोलने और सुनने से संबंधित कौशलों के विकास में इसकी उपयोगिता की जानकारी ली। अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों को इस सुविधा का नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिला परिषद की ओर से दिव्यांग विद्यार्थियों को केवल शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तक सीमित न रखते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने के लिए विभिन्न नवोन्मेषी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में कर्णबधिर विद्यार्थियों के लिए आधुनिक तकनीक आधारित यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के उच्चारण में सुधार करना, भाषा सीखने की क्षमता बढ़ाना तथा बोलकर संवाद करने का आत्मविश्वास विकसित करना है।

कोस्मो फर्स्ट पटना में लेकर आए पीवीसी-फ्री ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स, पारंपरिक विनाइल ग्राफिक्स का बेहतरीन विकल्प

मुंबई/पटना। कोस्मो फर्स्ट, अपने कोस्मो फिल्म्स बिजनेस के माध्यम से, पटना में लेकर आए हैं ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स- जो व्यवसायों, प्रिंटरों और साइनबोर्ड निमार्ताओं को पारंपरिक पीवीसी-आधारित ग्राफिक फिल्मों का पीवीसी-मुक्त विकल्प प्रदान करती हैं। विजुअल अपील और मटीलियल इनोवेशन के संयोजन से डिजाइन किया गया यह प्रोडक्ट ऐसे ब्रांडिंग समाधानों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है, जो गुणवत्ता और प्रत्यास्थता के साथ ग्राफिक्स के जिम्मेदार विकल्प प्रदान करें। पॉलीप्रोपाइलीन (बीओपीपी) से निर्मित, कोस्मो ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स 100 फीसदी पीवीसी-रहित, थैलेट-रहित और हैलोजन-रहित हैं। पारंपरिक पीवीसी-आधारित ग्राफिक फिल्मों की तुलना में, ये एक अलग मटीरियल कम्पोजिशन और लाईटवेट कंस्ट्रक्शन से बनाए गए हैं, जिससे हैंडलिंग और इंस्टॉलेशन आसान हो जाता है। ये फिल्में सॉल्वेंट, इको-सॉल्वेंट, यूवी और एचपी लेटेक्स प्रिंटिंग तकनीकों का सपोर्ट करती हैं, जिससे स्पष्ट ग्राफिक्स और वाइब्रेन्ट रंग मिलते हैं। ये फिल्में ग्लॉस और मैट फिनिश में क्लियर और ग्रे एडहेसिव विकल्पों में उपलब्ध हैं, तथा व्यवसायों की विभिन्न ब्रांडिंग और डिस्प्ले संबंधी जरूरतों को पूरा करती हैं। रीसायक्लेबल होने के कारण से सस्टेनेबिलिटी को भी बढ़ावा देती हैं।

बोईसर में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर हजारों लोगों ने किया धरना आंदोलन

- धनानी नगर से ग्राम पंचायत कार्यालय तक निकाला पैदल मार्च
- बीडीओ के लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित







पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर पूर्व के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क, नाली, पेयजल, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति को लेकर शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 को बोईसर ग्राम पंचायत कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना आंदोलन किया गया। मेरा गाँव, मेरी जवाबदारी अभियान के तहत आयोजित इस आंदोलन में विभिन्न क्षेत्रों के हजारों लोगों ने एकजुट होकर अपनी समस्याओं को प्रशासन के सामने रखा और जल्द से जल्द समाधान की मांग की। इस आंदोलन में बंजार पाड़ा, यादव नगर, कृष्णा नगर, धनानी नगर, श्रीराम नगर, थावर पाड़ा, दांडी पाड़ा सहित बोईसर पूर्व के विभिन्न इलाकों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। लंबे समय से इन क्षेत्रों में सड़क, नालियों, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं की समस्याएं बनी हुई हैं। लोगों का कहना था कि बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। आंदोलन की शुरूआत धनानी नगर से पैदल मार्च के रूप में हुई। यहां से बड़ी संख्या में लोग नारेबाजी करते हुए बोईसर ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे और वहां धरने पर बैठ गये। प्रदर्शनकारियों ने ग्राम पंचायत प्रशासन के समक्ष अपनी विभिन्न मांगें रखते हुए संबंधित समस्याओं पर तत्काल ठोस कार्रवाई करने की मांग की। धरना आंदोलन के दौरान लोगों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र के विकास और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना ग्राम पंचायत प्रशासन की जिम्मेदारी है। जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आंदोलन के दौरान खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) की ओर से समस्याओं के समाधान को लेकर लिखित आश्वासन दिया गया। इसके बाद आंदोलनकारियों ने फिलहाल अपना धरना आंदोलन स्थगित कर दिया। अब लोगों की निगाहें प्रशासन द्वारा दिए गये लिखित आश्वासन पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

डॉ. मंजू लोढ़ा को वुमेन्स आइकॉन्स ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2026 में मिला सम्मान



मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक क्षेत्र में अपने योगदान के लिए जानी जाने वाली डॉ मंजू लोढ़ा को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई में आयोजित वुमेन्स आइकॉन्स ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2026 में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंजू लोढ़ा ने महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएँ केवल परिवार की नींव ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की भी सशक्त आधारशिला हैं। जब एक महिला सशक्त होती है, तो वह अपने साथ पूरे परिवार और समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मंजू लोढ़ा ने इस सम्मान के लिए विजयजी कलंत्री, संगीता जैन और प्रिया पंसारे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं को एक-दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ना चाहिए और अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहिए।

कैलाश नगर में पानी की किल्लत से नागरिक परेशान, भाजपा सभापति सरोज राय ने KDMC अधिकारियों का किया घेराव

- कई महीनों से जारी है पानी की समस्या; अधिकारियों के जवाब से नागरिकों में भारी नाराजगी,
- सत्ता में होने के बावजूद समाधान नहीं होने से भाजपा कार्यकताओं में भी रोष



कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कैलाश नगर परिसर में पिछले कई महीनों से नागरिकों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज नागरिकों ने भाजपा प्रभाग समिति सभापति सरोज मनोज राय के नेतृत्व में KDMC के 'ड' प्रभाग कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों का घेराव किया और पानी की समस्या को लेकर जमकर सवाल उठाए।

इस दौरान अधिकारियों की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और कथित तौर पर उलट-पुलट जवाब दिए जाने से नागरिकों में भारी नाराजगी देखने को मिली। नागरिकों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है, जिससे रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में शिवसेना और भाजपा की सत्ता है। इसके बावजूद कैलाश नगर में पानी की समस्या का समाधान नहीं होने से भाजपा कार्यकताओं में भी नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अब सवाल यह उठता है कि महानगरपालिका में सत्ता होने के बावजूद नागरिकों को पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए अधिकारियों के चक्कर क्यों लगाने पड़ रहे हैं?

पत्रकारों के सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर शिवसेना का आंदोलन : संदीप तिवारी



भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका की महासभा में पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर शिवसेना आक्रामक है। शिवसेना जिला अध्यक्ष राजू भोईर के नेतृत्व में मंगलवार को 16 भाजपा नगरसेवकों के विरोध में जन आंदोलन किया गया। इस आंदोलन की शुरूआत भायंदर पूर्व के जेसल पार्क स्थित नगरसेविका शानू गोहिल की जनसंपर्क कार्यालय से की गई। इसके बाद साईंबाबा नगर, शिरडी नगर, न्यू गोल्डन नेस्ट, जेपी नॉर्थ सर्कल समेत अनेक भागों में विरोध प्रदर्शन किया गया। शिवसेना उत्तर भारतीय सेल के जिला अध्यक्ष संदीप तिवारी ने कहा कि यह आंदोलन पत्रकारों के सम्मान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए है उन्होंने कहा कि पत्रकार सरकार, प्रशासन और सत्ता में बैठे लोगों के कार्यों पर नजर रखते हैं। वे नीतियों की समीक्षा करते हैं और सत्ता के दुरुपयोग, अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार को उजागर करते हैं। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, उनके कारण ही जनता की आम समस्याएं प्रशासन तक पहुंचती हैं। ऐसे भी पत्रकारों का अपमान करना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन तथा जिला अध्यक्ष राजू भोईर के नेतृत्व में शिवसेना द्वारा जन आंदोलन किया गया। पत्रकारों के न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजू भोईर के अलावा समन्वयक विक्रम प्रताप सिंह, शहर प्रमुख सचिन मांजरेकर, पूर्व नगरसेवक विजय राय, विद्या शंकर चतुर्वेदी,निशा नार्वेकर जिला संघटक,नवीन सिंह शहर प्रमुख, संतोस गोले, प्रीति पाटिल, धर्मेश पांडेय, सर्वेस पांडेय, अरुण मिश्रा, निखिल तावड़े, रवि तिवारी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

चांदिवली के नागरिक मुद्दों पर ने की अतिरिक्त आयुक्त के साथ बैठक

- एचडीआईएल-प्रीमियर वसाहत की सुविधाएं, साकीनाका और संघर्षनगर के विकास कार्य तथा प्रमोद महाजन उद्यान में प्रस्तावित सड़क का मुद्दा चर्चा में



मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा क्षेत्र में लंबित नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों को गति देने के लिए विधायक दिलीप (मामा) लांडे की पहल पर गत दिनों बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। मनपा के पूर्व उपनगरों के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अविनाश ढाकणे के कक्ष में हुई इस बैठक में विभिन्न नागरिक समस्याओं पर सकारात्मक चर्चा की गई।

बैठक में कुर्ला पश्चिम स्थित एचडीआईएल संकुल और प्रीमियर वसाहत में नागरिक सुविधाओं, सड़कों को महानगरपालिका के अधीन हस्तांतरित करने, साकीनाका क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों तथा संघर्षनगर में भूमिगत और जमीन के ऊपर बिछाई जाने वाली जलवाहिनियों के कार्यों पर चर्चा हुई। नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और रुके हुए कार्यों में तेजी लाने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

प्रमोद महाजन उद्यान में प्रस्तावित सड़क का मुद्दा चर्चा के केंद्र में: पवई के हिरानंदानी गार्डन क्षेत्र में स्थित प्रमोद महाजन उद्यान से होकर प्रस्तावित नई सड़क के निर्माण के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई होने की आशंका जताई गई है। इससे हरित क्षेत्र, पक्षियों के प्राकृतिक आवास और जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की चिंता स्थानीय निवासियों ने व्यक्त की है। इस संबंध में स्थानीय निवासियों ने विधायक दिलीप लांडे और महानगरपालिका को पत्र लिखकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। स्थानीय निवासी सुनीता घोराणी ने भी विधायक लांडे को पत्र देकर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की थी। पत्र में प्रस्तावित सड़क के आरक्षण पर पुनर्विचार करने, वैकल्पिक मार्गों की संभावनाएं तलाशने और तब तक पेड़ों की कटाई रोकने की मांग की गई थी।

विधायक दिलीप लांडे चांदिवली क्षेत्र की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए महानगरपालिका प्रशासन के समक्ष लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस बैठक में हुई चर्चा से नागरिक सुविधाओं, विकास कार्यों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों के समाधान की दिशा में सकारात्मक माहौल बना है। अब इन समस्याओं के निराकरण के लिए महानगरपालिका प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नागरिकों की नजरें टिकी हैं। इस अवसर पर विधायक दिलीप लांडे के साथ शिवसेना विधानसभा प्रमुख अशोक माटेकर, शिवसेना के अन्य पदाधिकारी तथा पवई और चांदिवली क्षेत्र के सामाजिक क्षेत्र से जुडे निवासी उपस्थित थे।

वार्ड 16 को गड्ढामुक्त बनाने की दिशा में एक और कदम, पैचवर्क का काम जारी

- नगरसेवक नवीन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौके पर रहकर कर रहे हैं कार्य की गुणवत्ता और गति की निगरानी



मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के वार्ड क्रमांक 16 को गड्ढामुक्त बनाने के उद्देश्य से सड़कों पर पैचवर्क का कार्य लगातार जारी है। भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह के प्रयासों से चल रहे इस कार्य के माध्यम से सड़कों पर बचे हुए गड्ढों को भरने और नागरिकों को राहत पहुंचाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। नगरसेवक नवीन सिंह ने कहा कि वार्ड की सड़कों पर शेष बचे सभी गड्ढों को भरने के लिए काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं तथा नगरसेविका वंदना जी, प्रतिभा जी और अनिता जी मौके पर मौजूद रहकर पैचवर्क के कार्य की गुणवत्ता और गति पर नजर रख रहे हैं, ताकि काम बेहतर तरीके से पूरा हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि वार्ड की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है।

पैचवर्क का काम पूरा होने से स्थानीय नागरिकों, वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। संकल्प स्पष्ट है—वार्ड 16 की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाना और नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना।

हिंदी भाषी संघ की ओर से विराट कवि सम्मेलन 1 नवंबर को, देश के जाने-माने कवि बांधेंगे समां



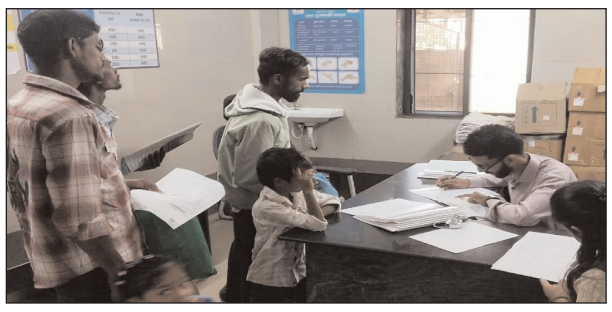
बोरीवली (उत्तरशक्ति)। हिंदी भाषा, साहित्य और काव्य परंपरा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी भाषी संघ के तत्वावधान में रविवार, 1 नवंबर 2026 को विराट कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह साहित्यिक समारोह बोरीवली (पश्चिम) स्थित पंडित रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान में रामलीला के भव्य मंच पर शाम 6 बजे से आयोजित होगा। इस कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों से प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय कवियों को आमंत्रित किया गया है। अपनी काव्य रचनाओं, ओजस्वी प्रस्तुतियों और हास्य-व्यंग्य के माध्यम से ये कवि श्रोताओं को साहित्य और कविता की रसधारा में सराबोर करेंगे। देश के प्रतिष्ठित कवि करेंगे काव्य पाठ इस विराट कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों में शशिकांत यादव (देवास, मध्य प्रदेश), मनोज गुर्जर (जयपुर), महेश दुबे (जौनपुर), प्रीति पांडे (प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश), पार्थ नवीन (प्रतापगढ़, राजस्थान) और श्रद्धा शैर्य (नागपुर) शामिल हैं। इन कवियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं को कविता के विविध रंगों, भावनाओं और साहित्यिक अभिव्यक्तियों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि यह कार्यक्रम हिंदी साहित्य के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने और कवियों व साहित्य प्रेमियों को एक मंच पर जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हिंदी प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील हिंदी भाषी संघ के अध्यक्ष एड. रामकृपाल उपाध्याय ने सभी हिंदी प्रेमियों, साहित्य अनुरागियों और आम नागरिकों से इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि साहित्य और कविता समाज को जोड़ने के साथ-साथ हमारी भाषा, संस्कृति और विचारों को नई दिशा देने का माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलता है और नई पीढ़ी को साहित्य से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का विवरण

-दिनांकः रविवार, 1 नवंबर 2026

- समयः शाम 6 बजे से

- स्थानः पंडित रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम)- आयोजकः हिंदी भाषी संघ हिंदी भाषी संघ का यह विराट कवि सम्मेलन साहित्य प्रेमियों के लिए कविता, संवेदना और विचारों से भरी एक यादगार साहित्यिक संध्या बनने की उम्मीद है।

जव्हार में की गई 92 बच्चों की हृदय जांच, 8 को सर्जरी की जरूरत



पालघर (उत्तरशक्ति)। जन्मजात हृदय रोगों का समय पर पता चलने और उचित उपचार मिलने से बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने का अवसर मिल सकता है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (फ्हरड) के अंतर्गत जव्हार में विशेष हृदय जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कुल 92 बच्चों की 2ऊइको जांच की गई, जिनमें से 8 बच्चों को हृदय संबंधी सर्जरी की आवश्यकता पाई गई है। इन सभी बच्चों के आगे के उपचार एवं सर्जरी की व्यवस्था ज्यूपिटर हॉस्पिटल, ठाणे में की जायेगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ज्यूपिटर हॉस्पिटल, ठाणे और पतंगशाह कुटीर अस्पताल, जव्हार के संयुक्त तत्वावधान में इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ज्यूपिटर हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने बच्चों की हृदय संबंधी जांच की। जन्मजात हृदय रोगों का समय रहते निदान कर जरूरतमंद बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना शिविर का मुख्य उद्देश्य था। जांच के बाद बच्चों के अभिभावकों को बीमारी की स्थिति और आगे होने वाले उपचार के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। जांच के दौरान जिन 8 बच्चों में सर्जरी की आवश्यकता सामने आई है, उनके उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जायेगी। ज्यूपिटर हॉस्पिटल, ठाणे में इन बच्चों की सर्जरी और अन्य जरूरी चिकित्सा उपचार की व्यवस्था की जायेगी। इससे आर्थिक अथवा अन्य कठिनाइयों के कारण उपचार से वंचित रह जाने वाले बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शबरी के जूठे बेर से रामराज्य तक, आचार्य शांतनु महाराज ने सुनाए श्रीराम के आदर्शों के प्रेरक प्रसंग

नौ दिवसीय श्रीरामकथा के अंतिम दिन भक्ति, समता, त्याग और मयार्दा का दिया संदेश, आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह ने श्रद्धालुओं का जताया आभार








जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित नौ दिवसीय श्रीरामकथा के अंतिम दिन गुरुवार को कथाव्यास परम पूज्य आचार्य शांतनु जी महाराज ने श्रीरामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने शबरी प्रसंग, सुग्रीव से मित्रता, बाली वध, हनुमान जी की भक्ति, लंका विजय और भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, समता, त्याग, समर्पण और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कथा के दौरान पूरा पंडाल भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और श्रद्धालु श्रीराम के जयकारे लगाते रहे।

आचार्य शांतनु महाराज ने शबरी प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने शबरी के जूठे बेर स्वीकार कर समाज को समानता और प्रेम का संदेश दिया। प्रभु श्रीराम ने कभी जाति-पाति और ऊंच-नीच के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। उनके लिए भक्त का प्रेम और समर्पण ही सर्वोपरि था। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति के लिए धन, वैभव और दिखावे की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि मन में श्रद्धा, विश्वास और निष्कपट प्रेम होना चाहिए। शबरी की भक्ति इस बात का प्रमाण है कि निर्मल हृदय से की गई साधना पर भगवान अवश्य कृपा करते हैं।

सुग्रीव और बाली के प्रसंग का उल्लेख करते हुए महाराज ने कहा कि किष्किंधा के राजा बाली के पास अपार शक्ति थी, लेकिन अहंकार और अधर्म ने उसे विनाश की ओर पहुंचा दिया। भगवान श्रीराम ने सुग्रीव से मित्रता कर उसे न्याय दिलाने में सहायता की। इस प्रसंग से सीख मिलती है कि सच्ची मित्रता वही है, जो संकट के समय साथ खड़ी रहे। मनुष्य को अपनी शक्ति का उपयोग दूसरों को दबाने के लिए नहीं, बल्कि धर्म और न्याय की रक्षा के लिए करना चाहिए।

हनुमान जी की भक्ति और पराक्रम का वर्णन करते हुए आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि सुंदरकांड हमें आत्मविश्वास, साहस और प्रभु के प्रति अटूट विश्वास की प्रेरणा देता है। हनुमान जी ने भगवान श्रीराम के कार्य को अपना कर्तव्य मानकर समुद्र पार किया और माता सीता का पता लगाया। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति के मन में दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और ईश्वर के प्रति विश्वास होता है, तो बड़ी से बड़ी बाधा को पार करना संभव हो जाता है। यह प्रसंग विशेष रूप से युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

लंका विजय के प्रसंग में महाराज ने रावण के चरित्र का उल्लेख करते हुए कहा कि रावण चारों वेदों का ज्ञाता और अत्यंत शक्तिशाली था, लेकिन उसके अहंकार, अधर्म और अनुचित आचरण ने उसके पूरे साम्राज्य का विनाश कर दिया। ज्ञान और शक्ति तभी सार्थक हैं, जब उनका उपयोग सही दिशा में किया जाए। अहंकार मनुष्य के विवेक को समाप्त कर देता है, जबकि विनम्रता और धर्म का मार्ग उसे सम्मान दिलाता है। भगवान श्रीराम की विजय सत्य, धर्म और मयार्दा की विजय का प्रतीक है।

भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने और राज्याभिषेक के प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि चौदह वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन पर लोगों में आनंद की लहर दौड़ गई। उनके राज्याभिषेक के साथ रामराज्य की स्थापना हुई, जो न्याय, समानता, कर्तव्यनिष्ठा, लोककल्याण और आदर्श शासन का प्रतीक है। श्रीराम का जीवन सिखाता है कि व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए।

आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारा और नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। वर्तमान पीढ़ी को श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने आचरण में मयार्दा, सेवा और संस्कारों को स्थान देना चाहिए।

आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि नौ दिवसीय श्रीरामकथा का मुख्य उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के गौरवशाली संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आज की नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मूल्यों से जोड़ना आवश्यक है। श्रीरामकथा जैसे आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के साथ ही लोगों को नैतिकता, सेवा और सदाचार का मार्ग दिखाते हैं।

कथा के समापन अवसर पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने आयोजन में शामिल सभी श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विनम्र भाव से कहा कि भगवान की महिमा के बिना ऐसी कथा का आयोजन संभव नहीं है। वे स्वयं को प्रभु का एक तुच्छ सेवक मानते हैं और भगवान की कृपा से ही यह आयोजन सफल हो सका। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की।

इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बनाए रखा और श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

विधान परिषद चुनाव ने दिया संदेश, 2027 में आएगी पीडीए सरकार: मोहम्मद अरशद खान

उत्तर प्रदेश की 11 में से 5 सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत पीडीए की बढ़ती ताकत और जनता के बदलते राजनीतिक रुझान का संकेत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने विधान परिषद चुनाव के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सफलता ने 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीतिक दिशा का स्पष्ट संकेत दे दिया है। प्रदेश की 11 सीटों में से 5 सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत इस बात का प्रमाण है कि पीडीए की विचारधारा और सामाजिक न्याय की राजनीति को जनता का समर्थन मिल रहा है।

श्री खान ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकारों की नीतियों से किसान, नौजवान, बेरोजगार, व्यापारी, बुनकर, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग परेशान हैं। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और सामाजिक असमानता ने आम जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जनता अब बदलाव चाहती है और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में उम्मीद देख रही है।



उन्होंने कहा कि पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज की एकजुटता उत्तर प्रदेश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को सम्मान, भागीदारी, सामाजिक न्याय और समान अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीडीए की एकजुटता लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करेगी।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि विधान परिषद चुनाव के परिणामों को भाजपा के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। जनता के सवालों का जवाब केवल नारों से नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की खुशहाली और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करके देना होगा। जनता अब अपने भविष्य को लेकर जागरूक है और 2027 में अपने मताधिकार के माध्यम से निर्णायक फैसला सुनाएगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की ताकत और व्यापक जनसमर्थन उत्तर प्रदेश में बदलाव का रास्ता प्रशस्त करेगा।

श्री खान ने कहा, ह्लविधान परिषद चुनाव के परिणामों ने बता दिया है कि उत्तर प्रदेश में बदलाव की लहर मजबूत हो रही है। 2027 में पीडीए की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का संकल्प पूरा किया जाएगा।

फार्मास्यूटिकल उद्योग में नौकरी के लिए कौशल जरूरी: अजय मौर्य

इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के क्यूसी हेड ने करियर के टिप्स

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फार्मास्यूटिकल उद्योग में रोजगार प्राप्त करने के लिए केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक ज्ञान, संचार कौशल और कार्य के प्रति जिम्मेदारी भी अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल का विकास करना चाहिए। यह विचार इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के क्वालिटी कंट्रोल हेड अजय मौर्य ने विज्ञान संकाय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने मुख्य वक्ता श्री अजय मौर्य का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योग जगत के अनुभवी विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करने तथा उनके अनुभवों से सीखकर अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान में श्री अजय मौर्य ने फार्मास्यूटिकल उद्योग में रोजगार की संभावनाओं तथा आवश्यक व्यावसायिक कौशलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि



औषधि निर्माण के क्षेत्र में गुणवत्ता नियंत्रण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए विषयगत ज्ञान के साथ प्रयोगशाला में कार्य करने की दक्षता, विश्लेषणात्मक क्षमता, सूक्ष्म निरीक्षण तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपनी पढ़ाई के दौरान प्रयोगात्मक कार्यों पर विशेष ध्यान दें, प्रयोगशाला उपकरणों के संचालन का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करें तथा फार्मास्यूटिकल उद्योग में उपयोग होने वाली नवीन तकनीकों और प्रक्रियाओं से परिचित रहें। उन्होंने कहा कि टीमवर्क, समय प्रबंधन, अनुशासन, समस्या समाधान की क्षमता और प्रभावी संचार जैसे कौशल भी रोजगार प्राप्त करने तथा कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संजीव कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

जमीन की रजिस्ट्री के नाम पर 29 लाख रुपये लेने का आरोप, आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज

वाराणसी निवासी राहुल राजभर ने जौनपुर के एक व्यक्ति पर लगाया आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जमीन खरीदने के लिए 29 लाख रुपये देने के बावजूद न तो जमीन की रजिस्ट्री होने और न ही रकम वापस मिलने का आरोप लगाते हुए वाराणसी निवासी राहुल राजभर ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कराकर रकम वापस दिलाने और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायत लंबित, संबंधित पक्ष ने प्रशासन के समक्ष सफाई देने की कही बात

आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत के अनुसार, राहुल राजभर पुत्र शिवशंकर राजभर निवासी ग्राम गरहरा, थाना एवं पोस्ट सिंधौरा, जनपद वाराणसी ने जौनपुर निवासी एक व्यक्ति के साथ जमीन खरीदने का सौदा तय किया था।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जमीन के सौदे के तहत 4 अगस्त 2025 को आरटीजीएस के माध्यम से 29 लाख रुपये दिए गए थे। इसके बावजूद न तो जमीन की रजिस्ट्री कराई गई और न ही रकम वापस की गई।

राहुल राजभर ने शिकायत में आरोप लगाया है कि रुपये वापस मांगने पर कथित रूप से गाली-गलौज और मारपीट की धमकी दी गई। उन्होंने कुछ साक्ष्य और बातचीत की रिकॉर्डिंग होने का भी दावा किया है।

आईजीआरएस पर शिकायत लंबित: शिकायतकर्ता ने पुलिस विभाग से मामले की जांच कर एफआईआर दर्ज करने तथा अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है। पोर्टल पर उपलब्ध विवरण के मुताबिक शिकायत संख्या ********** दर्ज है। 29 अक्टूबर 2026 तक शिकायत की स्थिति लंबित प्रदर्शित हो रही थी। इस संबंध में दूसरे पक्ष से वार्ता की गई तो उन्होंने कहा कि वह अपनी सफाई प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। फिलहाल, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच और दोनों पक्षों के बयान सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में शिवानन्द मौर्य प्रथम

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर को होगा राष्ट्रीय एकता दिवस का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में शुक्रवार को स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रकृति विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी फोटोग्राफी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शिवानन्द मौर्य ने प्रथम, रजनीश कुमार गौतम ने द्वितीय और आकृति राव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार 31 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह-2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह करेंगे। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह मुख्य अतिथि तथा उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक, लखनऊ के चेयरमैन जितेंद्र बहादुर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण, अखंड भारत के संकल्प और राष्ट्रीय एकता में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विचार व्यक्त किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ भी दिलाई जाएगी। विद्यार्थियों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। समारोह में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे।

सरपतहां पुलिस ने नकबजनी और चोरी की तीन घटनाओं का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

चोरी के आभूषण, घरेलू सामान और 10 हजार रुपये नकद बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना पुलिस ने नकबजनी और चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी के आभूषण, घरेलू सामान तथा 10 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं।



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी शाहगंज के नेतृत्व में सरपतहां पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेन्द्र पुत्र मुन्ना निवासी भटौली और सोहन पुत्र हौशिला निवासी बुमकहा, थाना सरपतहां, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। दोनों को 30 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। इनके विरुद्ध थाना सरपतहां में दर्ज मुकदमा संख्या 288/26, 330/26 और 314/26 से संबंधित चोरी एवं नकबजनी के मामलों का खुलासा किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 10 सफेद धातु के सिक्के, चार पायल, दो चेन, एक पीली धातु का मंगलसूत्र और लाल धागे में गुथी 16 छोटी-बड़ी जिऊतिया बरामद की हैं। इसके अलावा दो स्टील की बाल्टी, एक सिलाई मशीन, एक गैस सिलेंडर और 10 हजार रुपये नकद भी बरामद हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी सोहन का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध वर्ष 2011 में आबकारी अधिनियम और शस्त्र अधिनियम तथा वर्ष 2024 में मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ज्ञान प्रकाश सिंह की श्रीराम कथा में बना अद्भुत विश्व रिकॉर्ड, 11 करोड़ एक बार लिखा गया राम नाम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धर्म, आस्था और भक्ति के संगम के रूप में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा ने जौनपुर को एक नई पहचान दिलाई है। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में वरिष्ठ भाजपा नेता, उद्योगपति एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में राम भक्तों ने 11 करोड़ एक बार राम नाम का लेखन कर अनूठी उपलब्धि हासिल की। इस रिकॉर्ड को इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस उपलब्धि से जौनपुर सहित पूरे पूर्वांचल में उत्साह और गौरव का माहौल है।



श्रीराम कथा के दौरान प्रख्यात कथावाचक आचार्य शांतनु जी महाराज के निर्देश और प्रेरणा से राम भक्तों ने राम नाम लेखन अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का परिचय देते हुए भक्तों ने सामूहिक रूप से 11 करोड़ एक बार राम नाम लिखने का लक्ष्य पूरा किया। इस आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामूहिक सहभागिता और आध्यात्मिक चेतना का भी संदेश दिया।

राम नाम लेखन के इस विशेष अभियान की उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला। दोनों रिकॉर्ड संस्थाओं के प्रतिनिधि संजय भोला ने आयोजन के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह को प्रमाण पत्र सौंपा। प्रमाण पत्र मिलने के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित लोगों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस उपलब्धि का स्वागत किया और ज्ञान प्रकाश सिंह को बधाई दी।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने राम नाम लेखन अभियान में शामिल सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के कारण यह अद्भुत रिकॉर्ड संभव हो सका है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय राम भक्तों की सहभागिता और समर्पण को दिया।

ज्ञान प्रकाश सिंह ने इस उपलब्धि के लिए आचार्य शांतनु जी महाराज के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हुए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि महाराज की प्रेरणा और मार्गदर्शन से श्रद्धालुओं को राम नाम लेखन जैसे आध्यात्मिक अभियान से जुड़ने का अवसर मिला। नौ दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान धार्मिक वातावरण, राम भक्ति और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को विशेष बना दिया। इस उपलब्धि को जौनपुर और पूर्वांचल के लिए गौरवपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

जौनपुर में 2 नवंबर को लगेगा वृहद रोजगार मेला, 50 से अधिक कंपनियां करेंगी प्रतिभाग

बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर में सुबह 10 बजे से होगा आयोजन, जिलाधिकारी ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत जनपद के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में वृहद रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जौनपुर विधानसभा क्षेत्र का वृहद रोजगार मेला आगामी 2 नवंबर 2026 को सुबह 10 बजे से बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित होगा।

जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से आयोजित इस रोजगार मेले में युवाओं को उनकी शैक्षिक योग्यता, तकनीकी दक्षता, कौशल एवं अभिरुचि के अनुरूप प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मेले में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों एवं नियोजकों सहित 50 से अधिक कंपनियों के प्रतिभाग करने की संभावना है।

रोजगार मेले के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर से प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान उन्होंने जनपद के बेरोजगार युवाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, नगर मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह, उप जिलाधिकारी सदर योगिता सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान सहित अन्य अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

जौनपुर के 6.86 लाख किसानों के खाते में पहुंची किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त

दो-दो हजार रुपये की धनराशि से किसानों को मिली राहत, अब तक जिले के लाभार्थियों को 3142 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त शुक्रवार को जारी होने के साथ ही जिले के 6 लाख 86 हजार 146 किसानों के बैंक खातों में दो-दो हजार रुपये पहुंच गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से योजना की किस्त जारी की। धनराशि खाते में पहुंचने का संदेश मिलते ही किसानों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। अधिकारियों और किसानों ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जिले के 6,86,146 किसानों के खातों में कुल करीब 123 करोड़ रुपये की धनराशि भेजी गई है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 9,55,807 लाभार्थियों को किसान सम्मान निधि योजना के तहत 3,142.06 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को निःशुल्क मसूर के मिनीकिट बीज भी वितरित किए। कलेक्ट्रेट सभागार के अलावा कृषि विज्ञान केंद्र और जिले के सभी विकासखंडों में भी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जहां किसानों ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

कार्यक्रम का संचालन आत्मा प्रभारी डॉ. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर उप कृषि निदेशक डॉ. अश्वनी कुमार सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम संदीप कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी द्वितीय कमलजीत सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार, कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र प्रताप सोनकर सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

ट्यूनीशिया फिल्म फेस्ट में भारत की धूम, शॉर्ट फिल्म 'तोयज' ने जीता पुरस्कार



मुंबई/ ट्यूनिस। ट्यूनीशिया में आयोजित 'जेर्बा इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ विमेन एंड यूथ सिनेमा' के 12वें संस्करण में भारत ने 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में भाग लेकर वैश्विक मंच पर अपनी कूटनीतिक और सिनेमाई कला का परचम लहराया है। 24 से 27 अक्टूबर तक चले इस प्रतिष्ठित चार दिवसीय महोत्सव में भारत की भागीदारी बेहद खास रही, जहां भारतीय शॉर्ट फिल्म 'तोयज (व्हाइट लोटस)' ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया। अभिजीत श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित भारतीय शॉर्ट फिल्म 'तोयज (व्हाइट लोटस)' को इस वैश्विक मंच पर न केवल प्रदर्शित किया गया, बल्कि इसने महोत्सव की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी शॉर्ट-फिल्म श्रेणी में तीसरा पुरस्कार जीतकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। इस फिल्म की कहानी और तकनीकी उत्कृष्टता ने अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के साथ-साथ जूरी सदस्यों को भी गहराई से प्रभावित किया। ट्यूनीशिया स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जीत! 'व्हाइट लोटस' ने महिलाओं और युवाओं के सिनेमा के लिए आयोजित 12वें जेर्बा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की आधिकारिक शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता है। महिलाओं और युवा फिल्म निमार्ताओं को समर्पित इस अंतरराष्ट्रीय सिनेमाई महाकुंभ में दुनिया भर के देशों की कला का संगम देखने को मिला। महोत्सव के दौरान भारत के अलावा अल्जीरिया, मोरक्को, लेबनान, मिस्र, सीरिया, बहरीन, कतर, क्रोएशिया, अमेरिका, फ्रांस और फिलिस्तीन सहित 38 देशों की 68 बेहतरीन फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई।

जौनपुर: पॉक्सो मामले में अनमोल तिवारी को 20 साल की कैद, 30 हजार का जुमार्ना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र से जुड़े पॉक्सो एक्ट के मामले में विशेष न्यायालय ने अभियुक्त अनमोल तिवारी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने अभियुक्त पर 30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। विशेष न्यायाधीश (एएसजे-6/पॉक्सो द्वितीय) सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत ने सत्र परीक्षण संख्या 195/2020 में राज्य बनाम अनमोल तिवारी के मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत अभियुक्त को 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 30 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 376(3), पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 तथा एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) से संबंधित था। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट वेद प्रकाश तिवारी एवं रमेश चंद्र पाल ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन पक्ष की दलीलों और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

जनपद जौनपुर की समस्त तहसीलों में तहसील स्तरीय विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का किया गया सफलतापूर्वक आयोजन



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार शशि के निर्देशन में दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को सभी तहसीलों में तहसील स्तरीय मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जनपद जौनपुर की समस्त तहसीलों में ग्राम न्यायालय के न्यायाधिकरण, उपजिलाधिकारीगण, तहसीलदारगण एवं पी0एल0वी0गण के माध्यम से तहसीलों पर मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन कर 01 नवम्बर 2026 को दीवानी न्यायालय में आयोजित होने वाली मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के बारे में बताया कि उक्त शिविर में विभिन्न विभागों जिनके अन्तर्गत निर्बल वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग आदि हेतु जन कल्याणकारी योजना प्रचलित है, लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें उक्त मेगा शिविर के माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा। साथ ही आज तहसीलों पर आयोजित किये गये विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में चिन्हित लाभार्थियों को लाभ वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी तहसीलों में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्रम विभाग के द्वारा सभी तहसीलों में आज उक्त शिविर के माध्यम से श्रमिकों का पंजीकरण किया गया। जनपद स्तर पर 01 नवम्बर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

प्राथमिक विद्यालय के कमरे में बंद मिला आवारा कुत्ता, बच्चों की सुरक्षा पर उठे सवाल



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बदलापुर तहसील क्षेत्र के मछलीगांव स्थित प्राथमिक विद्यालय सिंधीलश्कर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में विद्यालय के एक कमरे के अंदर आवारा कुत्ता बंद दिखाई दे रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि आवारा कुत्तों से संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा बना रहता है। ऐसे में प्राथमिक विद्यालय के कमरे में कुत्ते का बंद मिलना विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी और बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर आवारा कुत्ता विद्यालय के कमरे तक कैसे पहुंचा और उसे किसने बंद किया? फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। वायरल वीडियो को लेकर शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, इस पूरे मामले में अभी तक शिक्षा विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब देखना होगा कि विभाग इस वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर क्या कार्रवाई करता है।

स्नेहा दुबे पंडित ने जनता दरबार में सुनीं लोगों की समस्याएं



वसई। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस में आयोजित जनता दरबार में नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निवारण के लिए आवश्यक पहल की। जनता दरबार में बड़ी संख्या में नागरिक पुलिस स्टेशन से जुड़े मामलों, जमीन विवाद, अस्पतालों की समस्याओं और विभिन्न सरकारी विभागों से संबंधित शिकायतें लेकर पहुंचे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सभी की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित मामलों के समाधान के लिए अधिकारियों एवं विभागों से समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया।

इस दौरान कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित विभागों से फॉलोअप शुरू किया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लंबित मामलों के समाधान के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। इस अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि जनता का विश्वास, अपनापन और स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। विधायक कार्यालय केवल कामकाज का केंद्र नहीं, बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों, उम्मीदों और भरोसे का मंच है। लोग अपनी समस्याएं लेकर निःसंकोच यहां पहुंचते हैं और उनकी बात सुनना तथा समाधान का प्रयास करना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विधायक होना केवल एक पद नहीं, बल्कि जनता की सेवा करने का दायित्व है। लोगों की हर जायज मांग, अधिकार और समस्या के समाधान के लिए वे हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगी। जनता का विश्वास बनाए रखना और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही उनकी प्राथमिकता है।

डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल ने महाराष्ट्र में अपने नेटवर्क का विस्तार किया; पालघर में नया सुपर-स्पेशियलिटी आई केयर सेंटर शुरू



पालघर। महाराष्ट्र में अपने बढ़ते नेटवर्क का विस्तार करते हुए, डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल ने पालघर में अत्याधुनिक नेत्र उपचार अस्पताल शुरू किया है। इस अस्पताल का उद्देश्य पालघर और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को उन्नत एवं व्यापक नेत्र चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना है। समुदाय के स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, अस्पताल ने सभी मरीजों के लिए निःशुल्क नेत्र परामर्श की घोषणा

इस नए अस्पताल का उद्घाटन महाराष्ट्र विधानसभा के पालघर निर्वाचन क्षेत्र के माननीय विधायक राजेंद्र गावित के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें डॉ. अभिजीत देसाई, रीजनल हेड - क्लिनिकल सर्विसेज, और श्री आयुष्मान चिरानेवाला, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर शामिल थे। इसके अलावा, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े कई विशेषज्ञ और अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। पालघर पश्चिम में माहिम रोड पर स्थित यह नया अस्पताल लगभग 6,500 वर्ग फुट क्षेत्र में बनाया गया है। आधुनिक बुनियादी सुविधाओं और उन्नत नेत्र चिकित्सा तकनीक से सुसज्जित इस अस्पताल को मरीजों को सहज, सुविधाजनक और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप उपचार अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस अस्पताल में मोतियाबिंद, रिफ्रैक्टिव सर्जरी, कॉर्निया, ग्लूकोमा, रेटिना और बाल नेत्र चिकित्सा सहित नेत्र रोगों से संबंधित विभिन्न सेवाएँ उपलब्ध होंगी। अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों की सहायता से मरीजों को व्यापक नेत्र चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएँगी। यह अस्पताल आँखों की बीमारियों का समय रहते पता लगाने, उचित समय पर उपचार शुरू करने और उपचार की निरंतरता बनाए रखने में मदद करेगा। इससे क्षेत्र के निवासियों को विशेष नेत्र चिकित्सा सेवाओं के लिए दूर-दराज के शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी।

उद्घाटन के अवसर पर महाराष्ट्र विधानसभा के पालघर निर्वाचन क्षेत्र के माननीय विधायक राजेंद्र गावित ने कहा, पालघर में विशेष स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हमारे नागरिकों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिले का निरंतर विकास हो रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि लोगों को अपने घर के नजदीक ही उन्नत स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। मैं पालघर में समर्पित नेत्र चिकित्सा अस्पताल स्थापित करने की डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की पहल का स्वागत करता हूँ। यह अस्पतालआँखों की बीमारियों का समय पर पता लगाने, उचित उपचार उपलब्ध कराने और समुदाय के नेत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में योगदान देगा।

भिवानी में राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का भव्य आयोजन

महाराष्ट्र के टेकचंद सिप्पी एवं राजेंद्र बाबू प्रजापति ने राष्ट्रीय मंच पर किया प्रदेश का प्रतिनिधित्व



भिवानी (हरियाणा)। हरि की पावन धरा हरियाणा के भिवानी शहर में शब्दाक्षर संस्था द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव एवं कवि सम्मेलन 24, 25 एवं 26 अक्टूबर को कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस राष्ट्रीय साहित्यिक महाकुंभ में देश के विभिन्न राज्यों से आए कवियों, साहित्यकारों एवं रचनाकारों ने अपनी मौलिक रचनाओं के माध्यम से साहित्य और संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात गीतकार एवं लेखक श्री बुद्धिनाथ मिश्रा ने की। वहीं, शब्दाक्षर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव में साहित्य, कविता, विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस राष्ट्रीय आयोजन में महाराष्ट्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व शब्दाक्षर के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री टेकचंद सिप्पी ने किया। वहीं, नासिक से संस्था के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र बाबू प्रजापति भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों साहित्यकारों की सहभागिता से राष्ट्रीय मंच पर महाराष्ट्र की साहित्यिक उपस्थिति दर्ज हुई। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान देशभर से आए कवियों एवं साहित्यकारों ने गीत, नवगीत, गजल, छंद एवं कविता सहित विभिन्न साहित्यिक विधाओं में अपनी मौलिक रचनाओं का काव्यपाठ किया। कवियों की भावपूर्ण एवं प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही आयोजित साहित्यिक विमर्श एवं विचार गोष्ठियों में साहित्य की वर्तमान भूमिका, सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक मूल्यों तथा साहित्यिक चेतना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन शब्दाक्षर संस्था के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री लखन डेहरिया, नरसिंहपुर (मध्य प्रदेश) ने किया। उनके सुव्यवस्थित संचालन ने पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। शब्दाक्षर संस्था का यह राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव देश की विविध भाषाई, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परंपराओं को एक सूत्र में जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण आयोजन रहा। इसने विभिन्न प्रदेशों के साहित्यकारों को एक साझा मंच प्रदान कर आपसी संवाद, साहित्यिक सहयोग और रचनात्मक विचारों के आदान-प्रदान को नई ऊर्जा दी। यह आयोजन इस संदेश के साथ सम्पन्न हुआ कि साहित्य केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, संवेदनाओं को जागृत करने और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम भी है।

भारत वैभव पार्टी ने उत्तर प्रदेश कमेटी में किया बड़ा बदलाव



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय पिछले कुछ महीनों से प्रदेश में सक्रिय हैं। वे ह्यमिशन सारथी सरकारह्ल के लक्ष्य को लेकर पूर्वांचल के विभिन्न जिलों का लगातार दौरा कर रहे हैं और जिलाध्यक्षों एवं जिला पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं।

इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय ने उत्तर प्रदेश कमेटी के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में संगठन के कार्यों और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया गया। प्रदेश कमेटी के कार्यों से असंतुष्ट होने के बाद उन्होंने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपीं।

पार्टी की ओर से जारी नई नियुक्तियों के अनुसार, अमित रामबदन मिश्रा को उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, चंद्रशेखर मिश्रा को प्रदेश उपाध्यक्ष, चंद्रेश दुबे को सचिव, वीरेंद्र यादव और प्रद्युम्न तिवारी भार्गव को प्रदेश प्रवक्ता, दीनानाथ मिश्रा को प्रदेश महासचिव तथा कृष्ण कुमार मिश्रा को मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनीत किया गया है।

पार्टी नेतृत्व का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाने, पदाधिकारियों की सक्रियता बढ़ाने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देना है। इन नियुक्तियों के माध्यम से प्रदेश में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है।उक्त जानकारी भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी जितेंद्र चौबे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

संगीत शिक्षिका ने मधुर स्वरों में प्रस्तुत किया पारंपरिक गीत



मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग संगीत अकादमी द्वारा दीनानाथ मंगेश्कर नाट्य गृह विले पार्ले में संगीत महोत्सव सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षणाधिकारी कीर्तिवर्धन किरत कुडवे (प्राथमिक विभाग) ,उप शिक्षणाधिकारी श्रीमती सुजाता खरे (माध्यमिक विभाग) गायिका श्रुति सडोलिकर तथा महाराष्ट्र की हास्य जत्रा फेम सचिन गोस्वामी निवेदिता एवं गायिका अस्मिता पांडे आदि मान्यवर उपस्थित थे। उक्त महोत्सव में मनपा संगीत शिक्षिका श्रीमती माधुरी दीक्षित ने मधुर स्वर में एक धानी राग पर आधारित गीत बड़े ही हृदय स्पर्शी भाव से प्रस्तुत किया ।सभी श्रोतागण ने श्रीमती दीक्षित का जोरदार स्वागत तथा अभिनंदन तालियों से किया। कार्यक्रम बहुत ही अच्छे ढंग से संपन्न हुआ।

अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिकल केबलिंग के काम में तेजी लाने के लिए स्नेहा दुबे पंडित ने की बैठक



वसई-विरार। इलाके में अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिकल केबलिंग के प्रस्तावित कार्यों को गति देने और बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से स्नेहा दुबे पंडित ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक में अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिकल केबलिंग की योजना, विभिन्न विभागों के बीच तालमेल, सड़क खुदाई, यातायात व्यवस्था, पानी की सप्लाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में महावितरण के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर एवं एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, वसई-विरार महानगरपालिका के निर्माण, जलापूर्ति और बिजली विभाग के सिटी इंजीनियर एवं एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, पालघर जिला परिषद के जलापूर्ति विभाग, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, सार्वजनिक निर्माण विभाग और वसई पंचायत समिति के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ आवश्यक जानकारी और कार्ययोजना प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया, ताकि केबलिंग का काम व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जा सके। स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिकल केबलिंग का काम तय योजना के अनुसार पूरा करना बेहद जरूरी है। इससे वसई-विरार के नागरिकों को सुरक्षित, निर्बाध और बेहतर गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। साथ ही भविष्य में होने वाली तकनीकी समस्याओं और बिजली आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को भी कम किया जा सकेगा।

वर्ल्ड स्ट्रोक डे: भारत में स्ट्रोक की रोकथाम के लिए टोबैको पर निर्भरता को कम करना है जरूरी

मुंबई। भारत में स्ट्रोक और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों के बहुत अधिक मामले पाए जाते हैं, इसलिए लोगों को स्वस्थ रखने के लिए इनके कारणों की रोकथाम करना बहुत जरूरी है। टोबैको का इस्तेमाल इन बीमारियों का सबसे प्रमुख कारण है। वर्ल्ड स्ट्रोक डे के अवसर पर एक्सपर्ट्स टोबैको कंट्रोल के ज्यादा मजबूत और विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाने का आग्रह कर रहे हैं। उनके मुताबिक इस बारे में केवल जागरूकता बढ़ाया जाना ही काफी नहीं है, बल्कि निकोटीन पर निर्भरता कम करने, इसकी लत को छोड़ने में मदद करने वाले साधनों की उपलब्धता बढ़ाने और रोकथाम के उपायों को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है।

2024 में ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज डेटा के अनुसार भारत में स्ट्रोक से होने वाली 12% मौतों का कारण टोबैको का सेवन था, वहीं हाई सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर के कारण 56% मौतें हुईं। ये नतीजे स्ट्रोक और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों की रोकथाम के लिए अन्य जोखिमों के साथ-साथ टोबैको की रोकथाम पर भी जोर देते हैं।

डॉ. यशपाल सिंह बुंदेला, डायरेक्टर ऑफ न्यूरोसर्जरी एंड न्यूरोसाइंसेज, मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा ने कहा, ऐसा नहीं है कि लोगों से टोबैको की लत छोड़ने को कह दिया और काम हो गया। भले ही लोगों को नुकसान के बारे में कितना भी पता क्यों ना हो, पर निकोटीन की लत को छोड़ना मुश्किल होता है। टोबैको के कारण होने वाली बीमारियां लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं, इसलिए हमें इसकी रोकथाम के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। हमें लोगों की सिगरेट की आदत छुड़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसके लिए हमें प्रैक्टिकल और रोकथाम में लगातार मदद करने वाले उपायों की मदद लेनी होगी। साथ ही, निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसे क्लिनिकली प्रमाणित तरीकों की उपलब्धता बढ़ानी होगी। यह बदलाव आसान नहीं होगा, लेकिन हमें कहीं ना कहीं से तो शुरूआत करनी होगी। जागरूकता बढ़ाने से आगे बढ़कर अब प्रमाण पर आधारित सपोर्ट उपलब्ध कराए जाने की जरूरत है, तभी हम टोबैको के इस्तेमाल में कमी लाने और उससे जुड़ी बीमारियों की रोकथाम करने में समर्थ बनेंगे।

रोहित ने अपने आइकॉनिक जर्सी नंबर चुनने के पीछे की कहानी बताई

पटना (उत्तरशक्ति)। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए 45 नंबर का नाम आते ही सबसे पहले रोहित शर्मा का ख्याल आता है। लेकिन इस आइकॉनिक जर्सी नंबर के पीछे एक व्यक्तिगत कहानी छिपी है। फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में भारतीय क्रिकेटर ने बताया कि उन्होंने उस जर्सी नंबर को कैसे चुना जो आज मैदान पर उनकी पहचान का पर्याय बन चुका है। बातचीत के दौरान राहुल लोहानी ने रोहित से उनके जर्सी नंबर के महत्व के बारे में पूछा तो रोहित ने अपने इस चयन के पीछे की कहानी सुनाते हुए कहा कि इसका बड़ा सिंपल सा लॉजिक था। पहले उन्होंने 19 नंबर चुना था।





काशी-दिल्ली के बीच दौड़ेगी स्लीपर वंदे भारत, आज योगी-वैष्णव दिखाएंगे हरी झंडी

वाराणसी। काशी की सांस्कृतिक विरासत और देश की राजधानी के बीच अब आधुनिक रेल तकनीक का नया सेतु बनने जा रहा है। लंबी दूरी की रेल यात्रा को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और समयबद्ध बनाने की दिशा में भारतीय रेलवे शनिवार को वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की शुरूआत करने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव 31 अक्टूबर को बनारस रेलवे स्टेशन से इस नई सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल मंत्रालय ने शुक्रवार शाम इसकी आधिकारिक पुष्टि की। नई सेवा से पूर्वांचल के यात्रियों को राजधानी तक पहुंचने का एक आधुनिक रात्रिकालीन विकल्प मिलेगा। यह उत्तर प्रदेश की पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा होगी। इससे पहले जनवरी 2026 में हावड़ा-गुवाहाटी रेलखंड पर देश की पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा शुरू की गई थी। अब इसका विस्तार काशी तक होने जा रहा है। धार्मिक यात्रियों से लेकर विद्यार्थियों, कारोबारियों, नौकरीपेशा लोगों और परिवारों तक के लिए यह सेवा उपयोगी साबित हो सकती है।

शिवगंगा से 55 मिनट पहले पहुंचेगी दिल्ली

इस नई रेल सेवा की सबसे अहम विशेषता समय की बचत है। रेल मंत्रालय की विज्ञप्ति के मुताबिक, वाराणसी से ट्रेन रात 8:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में नई दिल्ली से रात 9:40 बजे चलकर अगले दिन सुबह 7:10 बजे वाराणसी पहुंचेगी। मौजूदा शिवगंगा एक्सप्रेस की तुलना में वंदे भारत स्लीपर वाराणसी से दिल्ली पहुंचने में 55 मिनट और दिल्ली से वाराणसी आने में 35 मिनट कम समय लेगी। यानी यात्रियों को दोनों दिशाओं में तेज यात्रा का विकल्प मिलेगा।



पांच प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी

वंदे भारत स्लीपर वाराणसी से चलकर प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ और गाजियाबाद होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगी। इन प्रमुख शहरों के जुड़ने से आसपास के जिलों के यात्रियों को भी आधुनिक रेल सेवा का लाभ मिल सकेगा। ट्रेन सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। वाराणसी से शुक्रवार और दिल्ली से शनिवार को सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी।

सुरक्षा में तकनीक, सुविधाओं में आधुनिकता

वंदे भारत स्लीपर को लंबी दूरी की रात्रिकालीन यात्रा के लिहाज से तैयार किया गया है। इसमें आधुनिक टक्कर रोधी प्रणाली (टीसीएएस), अग्नि एवं धुआं पहचान प्रणाली, सीसीटीवी कैमरे और आपातकालीन अलार्म जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं होंगी। दुर्घटना की स्थिति में सुरक्षा के लिए विशेष फायर बैरियर दरवाजे भी लगाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए वातानुकूलित कोच, आधुनिक शौचालय, दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय, सामान रखने की पर्याप्त जगह तथा मोबाइल-लैपटॉप चार्जिंग की व्यवस्था दी गई है। प्रथम श्रेणी वातानुकूलित कोच में गर्म पानी के शॉवर की सुविधा भी होगी। वाई-फाई, यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट तथा आधुनिक प्रकाश व्यवस्था यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाएगी। ट्रेन में ऊर्जा दक्षता के लिए रीजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम और बेहतर गति तथा संतुलन के लिए आधुनिक एयरोडायनामिक डिजाइन का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा शोर कम करने वाली तकनीक से रात की यात्रा के दौरान कोच के भीतर अपेक्षाकृत शांत वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

काशी के पर्यटन और कारोबार को मिलेगा नया आधार

वाराणसी केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन और कारोबार का भी प्रमुख केंद्र है। सालभर देश-विदेश से श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आगमन होता है। दिल्ली से बेहतर रात्रिकालीन रेल संपर्क मिलने से यात्रियों को समय प्रबंधन में सहूलियत होगी। विद्यार्थी, कारोबारी और नौकरीपेशा लोग भी इसका लाभ उठा सकेंगे। रेलवे की यह पहल केवल दो शहरों के बीच तेज संपर्क तक सीमित नहीं है। प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ और गाजियाबाद जैसे शहरों को जोड़ने से उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से को आधुनिक रेल सेवा का लाभ मिलेगा। काशी से राजधानी तक यह नई रेल कड़ी पूर्वांचल की बढ़ती यातायात जरूरतों और आधुनिक परिवहन की अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दिवाली के अवसर पर ह्यकैंडियर बाय कल्याण का ज्वेलरी कलेक्शन



मुंबई। दिवाली का त्योहार खुशियों, उत्साह और अपनों को खास उपहार देने का अवसर होता है। इस दिवाली के मौके पर कैंडियर बाय कल्याण ने आभूषणों का आकर्षक और खास कलेक्शन पेश किया है। हीरे के खूबसूरत आभूषणों, आधुनिक प्लैटिनम ज्वेलरी और पारंपरिक सोने के सिक्कों से सजे इस कलेक्शन में हर रिश्ते और हर खास व्यक्ति के लिए उपहारों के कई विकल्प उपलब्ध हैं। कैंडियर के साथ अपने दिल की भावनाएं व्यक्त करें की थीम पर पेश किए गए इस कलेक्शन में ओपलाइन डायमंड नेकलेस, कतिरा ऑफ-व्हाइट पर्ल डायमंड इयररिंग्स, अनाका डायमंड एंड जेमस्टोन रिंग, 5 ग्राम 24 कैरेट ओम गोल्ड कॉइन, हेमैन प्लैटिनम एंड डायमंड कड़ा और ट्विनॉक्स प्लैटिनम चेन शामिल हैं। रोजाना पहनने के लिए उपयुक्त आभूषणों से लेकर त्योहारों और खास अवसरों के लिए आकर्षक डिजाइनों तक, इस कलेक्शन में कई विकल्प उपलब्ध हैं। इस कलेक्शन का ओपलाइन डायमंड नेकलेस अपने बारीक हीरे के डिजाइन के कारण बेहद आकर्षक नजर आता है। अपनी अलग स्टाइल और खास पहचान बनाना चाहने वालों के लिए अनाका डायमंड एंड जेमस्टोन रिंग एक आकर्षक विकल्प है। दिवाली के पारंपरिक उपहारों की बात करें तो 5 ग्राम का 24 कैरेट ओम गोल्ड कॉइन एक सार्थक विकल्प है। आधुनिक आभूषणों की श्रेणी में हेमैन प्लैटिनम एंड डायमंड कड़ा और ट्विनॉक्स प्लैटिनम चेन शामिल हैं।

रेलवे के डिजिटल बदलाव को मिलेगी नई गति, जीवीएल सत्य कुमार बने IRITM के महानिदेशक



लखनऊ। भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) के 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी जीवीएल सत्य कुमार ने शुक्रवार को भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान (IRITM), लखनऊ के महानिदेशक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके साथ ही वह रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (CRIS) के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त दायित्व भी संभालेंगे। उनकी नियुक्ति को भारतीय रेल के डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी नवाचार और अधिकारियों के क्षमता निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सत्य कुमार ने आईआईटी मद्रास से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में बीटेक तथा ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से एमबीए की उपाधि प्राप्त की है। रेलवे परिचालन, प्रशासन, विपणन, संरक्षा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में उन्हें तीन दशक से अधिक का अनुभव है। अपने सेवाकाल में उन्होंने वाल्टेयर और पालघाट रेल मंडलों में परिचालन प्रमुख के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं। इसके अलावा मध्य रेलवे और दक्षिण रेलवे के मुख्यालयों में विपणन एवं संरक्षा प्रमुख रहे। रेल मंत्रालय में कार्यकारी निदेशक (रणनीति, योजना एवं कार्यान्वयन) और निदेशक (लेखा सुधार) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी काम किया। बाद में मुंबई मंडल के डीआरएम और CRIS के प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी संभाली। रेलवे के परिचालन और कार्यप्रणाली के डिजिटलीकरण में उनके योगदान को महत्वपूर्ण माना जाता है। अब IRITM के महानिदेशक के रूप में उनसे रेलवे अधिकारियों के प्रशिक्षण, अनुसंधान और परिवहन प्रबंधन को नई दिशा देने की अपेक्षा है। वहीं CRIS के अतिरिक्त प्रभार से प्रशिक्षण और तकनीकी नवाचार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है।

नालासोपारा के 41 जिला परिषद स्कूलों को मिलेंगे 132 डिजिटल स्मार्ट बोर्ड



विरारः शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने एक पहल की है। विधायक विकास निधि के माध्यम से नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के 41 जिला परिषद स्कूलों को कुल 132 डिजिटल स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी पहल के तहत विरार पूर्व स्थित टोटले तलाव जिला परिषद स्कूल में एक डिजिटल स्मार्ट बोर्ड का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों ने विधायक राजन नाईक का गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया। इस मौके पर राजन नाईक ने विद्यार्थियों के स्नेह और स्वागत पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों की मासूम मुस्कान और उनका प्यार हमेशा यादगार रहेगा। इस पहल से जिला परिषद स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिलने और विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से पढ़ाई करने का अवसर मिलने की उम्मीद है।

वर्चुअल डिजिटल एसेट्स में बढ़ेगी पारदर्शिता और सुरक्षा

मुंबई। भारत के वेब3 और वर्चुअल डिजिटल एसेट इकोसिस्टम के प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र उद्योग संस्था, भारत वेब3 एसोसिएशन ने आज एक स्वतंत्र सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी की शुरूआत की घोषणा की। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य वर्चुअल डिजिटल एसेट इकोसिस्टम के भीतर गवर्नेंस को मजबूत करना, जिम्मेदार प्रथाओं को प्रोत्साहित करना तथा पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी के दिशानिर्देश इस क्षेत्र की वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ भारत में सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन्स के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ढांचों (फिनटेक क्षेत्र सहित) से प्रेरित हैं। यह सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी निष्पक्ष व्यापार, बाजार अखंडता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल एसेट्स और ग्राहक डेटा की सुरक्षा, पारदर्शी टोकन लिस्टिंग, उपभोक्ता संरक्षण, शिकायत निवारण और जिम्मेदार मार्केटिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत वेब3 एसोसिएशन के स्व-नियामक दिशानिर्देशों के पालन के लिए सदस्यों को प्रोत्साहित करेगा।

सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी समय-समय पर एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम से संबंधित प्रथाओं सहित अनुपालन प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगा। साथ ही, यह सदस्यों को उनकी प्रणालियों को मजबूत बनाने के लिए सुधारात्मक उपायों की सिफारिश और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। भारत वेब3 एसोसिएशन ने सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी की संरचना की घोषणा करते हुए प्रमुख नियुक्तियां की हैं। भारत सरकार के पूर्व सचिव, रोहित कुमार सिंह (आईएएस, सेवानिवृत्त) को अध्यक्ष-सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी नियुक्त किया गया है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति विभाग की पूर्व प्रभारी सलाहकार, डॉ. प्रग्या दास को सदस्य-सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी के रूप में नियुक्त किया गया है।



सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी के शुभारंभ पर बोलते हुए, भारत वेब3 एसोसिएशन के चेयरपर्सन दिलीप चेनॉय ने कहा, भारत वेब3 एसोसिएशन लगातार भारत में वर्चुअल डिजिटल एसेट क्षेत्र के लिए जोखिमों को कम करने तथा अनुपालन-केंद्रित नियमन की वकालत करता रहा है। मुझे खुशी है कि सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी के गठन के साथ, भारत वेब3 एसोसिएशन ने इस क्षेत्र में अनुपालन संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की दिशा में ठोस कदम उठाया है। रोहित कुमार सिंह, चेयरपर्सन-सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी ने विश्वास और जवाबदेही के महत्व पर जोर देते हुए कहा, उभरती हुई टेक्नॉलजी अपनी पूरी क्षमता तभी हासिल कर सकती हैं, जब नवाचार के साथ विश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही भी जुड़ी हो। वर्चुअल डिजिटल एसेट जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में मजबूत स्व-नियमन उपभोक्ताओं की सुरक्षा और जनता का विश्वास मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सेल्फ-रेगुलेटरी बॉडी में हमारा प्रयास गवर्नेंस और अनुपालन के विश्वसनीय मानक स्थापित करने का होगा, क्योंकि उद्योग की दीर्घकालिक सफलता तकनीकी प्रगति के साथ-साथ उपभोक्ताओं के विश्वास पर निर्भर करती है।

लाल बिहारी यादव की जीत पर उत्तर यादव युवा संघ ने दी बधाई

वाराणसी/जौनपुर। उत्तर प्रदेश शिक्षक एमएलसी चुनाव में लाल बिहारी यादव ने भारी मतों से शानदार जीत हासिल कर एक बार फिर अपनी लोकप्रियता और जनविश्वास का परिचय दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मिली इस बड़ी जीत को जनता के विश्वास, संघर्ष और लोकतांत्रिक ताकत की जीत बताया जा रहा है। लाल बिहारी यादव का दूसरी बार एमएलसी निर्वाचित होना उनके लगभग 10 वर्षों के संघर्ष, तपस्या और लगातार जनता के बीच सक्रिय रहने का परिणाम है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में हमेशा शिक्षकों और आम जनता के सुख-दुख में साथ खड़े होकर उनका विश्वास अर्जित किया है। उनकी इस जीत को जनता के विश्वास और उनके संघर्षों की जीत के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव, राष्ट्रीय महासचिव विजय एल. यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लालमणि यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज बहादुर यादव, राजकुमार यादव, उमेश यादव एवं राजाराम यादव, राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र जगदेव यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अर्जुन यादव एवं राजेन्द्र बहादुर यादव ने लाल बिहारी यादव सहित सभी पांच अन्य विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर से समाजवादी पार्टी के भावी प्रत्याशी एवं उत्तर प्रदेश महासचिव विनोद कुमार यादव असमलपुरी, संतोष कुमार यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष रवीन्द्र यादव (बाराबंकी), रवीन्द्र यादव (आजमगढ़), जिला अध्यक्ष कैलाश नाथ यादव तथा उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने भी सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी। सभी पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि लाल बिहारी यादव एवं अन्य नवनिर्वाचित एमएलसी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए शिक्षकों, युवाओं, पिछड़े एवं वंचित समाज की आवाज को सदन में मजबूती से उठाएंगे और जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करेंगे। उत्तर यादव युवा संघ ने सभी विजयी प्रत्याशियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे लोकतंत्र, जनविश्वास और संघर्ष की शानदार जीत बताया।



मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में डॉ. किरण बेदी का लीडरशिप सेशन



मुंबई। मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में आज भारत की पहली महिला IPS अधिकारी डॉ. किरण बेदी का स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स, पेरेंट्स, फैकल्टी मेंबर्स और महिला पुलिस अधिकारियों के साथ लीडरशिप, एथिक्स और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर बातचीत की। यूनिवर्सिटी ने टैलेंटेड गर्ल स्टूडेंट्स को हायर एजुकेशन के लिए सपोर्ट देने के उद्देश्य से द किरण बेदी स्कॉलरशिप शुरू करने की घोषणा की। डॉ. बेदी के सेशन में यूथ लीडरशिप, सिविक रिस्पॉन्सिबिलिटी और एकेडमिक एक्सीलेंस जैसे विषयों पर फोकस रहा। इसमें ऐसे स्टूडेंट्स शामिल हुए, जो अपने करियर के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। साथ ही, अपने बच्चों के सपनों को सपोर्ट करने वाले पेरेंट्स, फैकल्टी मेंबर्स और पब्लिक सेफ्टी की जिम्मेदारी निभा रही स्थानीय महिला पुलिस अधिकारी भी कार्यक्रम का हिस्सा बनीं। यह स्कॉलरशिप डॉ. किरण बेदी के योगदान और उनके सफर को सम्मान देने की पहल है। उन्होंने वर्ष 1972 में भारतीय पुलिस सेवा में देश की पहली महिला अधिकारी के रूप में जॉइन किया था। अपने करियर में उन्होंने पुलिसिंग, जेल सुधार और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के क्षेत्र में काम किया। वर्ष 2016 से 2021 तक उन्होंने पुडुचेरी के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में भी सेवाएं दीं। इस अवसर पर मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के ट्रस्टी ध्रुव मारवाड़ी ने कहा, डॉ. किरण बेदी की मेजबानी करना पूरे मारवाड़ी यूनिवर्सिटी परिवार के लिए एक खास अवसर है। आज उनकी मौजूदगी हमारे स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और पुलिस अधिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। द किरण बेदी स्कॉलरशिप शुरू करने के पीछे हमारा उद्देश्य इस प्रेरणा को एक ऐसी पहल में बदलना है, जिसका लंबे समय तक असर हो। इस स्कॉलरशिप से योग्य युवा छात्राओं को हायर एजुकेशन के लिए जरूरी संसाधन और सपोर्ट मिलेगा, ताकि वे आगे बढ़कर चुनौतियों का सामना कर सकें और लीडरशिप की भूमिका निभा सकें।

मीरा-भायंदर के विकास कार्यों पर मंत्री प्रताप सरनाईक सख्त



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर के विकास कार्यों में तेजी लाने और वर्षों से लंबित परियोजनाओं को गति देने के लिए महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा-भायंदर महानगरपालिका में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल बैठकों तक सीमित रहने के बजाय विकास कार्यों का असर जमीन पर दिखाई देना चाहिए। मंत्री सरनाईक ने निर्देश दिया कि दिवाली के बाद 15 नवंबर से महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और संबंधित विभागों के कार्यों की कड़ी समीक्षा की जाए। बैठक में महानगरपालिका आयुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस उपायुक्त तथा विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। 19 महत्वपूर्ण विषयों पर हुई समीक्षा बैठक में शहर की आधारभूत सुविधाओं और विकास परियोजनाओं से जुड़े कुल 19 विषयों पर चर्चा की गई। इनमें चेना नदी तट की ओर जाने वाली 18 मीटर चौड़ी सड़क, शिवश्रुति की ओर जाने वाली 18 मीटर चौड़ी सड़क, खाड़ी तट विकास, महानगरपालिका मुख्यालय भवन का निर्माण, उत्तन स्थित सरकारी परिसर के श्मशान घाट सहित अन्य श्मशान घाटों की स्थिति शामिल रही। इसके अलावा छत्रपति संभाजी महाराज उद्यान का विकास एवं प्रतिमा स्थापना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के लिए आवंटित निधि का उपयोग, विभिन्न सामुदायिक भवनों की स्थिति और उनके उद्घाटन, साइकिलिंग एवं जॉगिंग ट्रैक, क्लस्टर योजना से बाहर रखी गई इमारतों के नक्शों की मंजूरी तथा शहर में नालियों के निर्माण पर भी चर्चा हुई। पांडुरंग वाड़ी सिग्नल और बाईपास, अवैध बोरवेल, घोड़बंदर किले के पास पर्यटन विभाग के स्थल का स्थानांतरण, स्वास्थ्य एवं परिवहन सेवा के संविदा कर्मचारियों को महानगरपालिका की सेवा में शामिल करने और भारत रत्न लता मंगेशकर संगीत विद्यालय शुरू करने जैसे मुद्दे भी समीक्षा के केंद्र में रहे। अवैध जल कारोबार पर सख्त रुख, नागरिकों को राहत देने के निर्देश शहर के कुछ इलाकों में पानी की कमी और बोरवेल के पानी की कथित अवैध बिक्री को लेकर मंत्री सरनाईक ने नाराजगी जताई। उन्होंने महानगरपालिका और पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि पानी की अवैध बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ संयुक्त रूप से कार्रवाई की जाए। मंत्री ने कहा कि पानी नागरिकों की मूलभूत आवश्यकता है और इसके नाम पर आम लोगों का शोषण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या गंभीर है, वहां नागरिकों को तत्काल राहत देने के लिए वैकल्पिक बोरवेल व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। दिवाली की छुट्टियों में बच्चों के लिए खुलेगा बालासाहेब ठाकरे कलादलान मंत्री सरनाईक ने हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे कलादलान को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। प्रशासनिक मंजूरी से जुड़ी तकनीकी प्रक्रिया के कारण यह सुविधा बंद न रहे, इसके लिए उन्होंने महानगरपालिका आयुक्त से दिवाली की छुट्टियों के दौरान कलादलान बच्चों के लिए खोलने को कहा। इस पहल का उद्देश्य शहर के बच्चों को छुट्टियों के दौरान कला, संस्कृति और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही भारत रत्न लता मंगेशकर संगीत विद्यालय शुरू करने के विषय की भी समीक्षा की गई। कागजों पर नहीं, जमीन पर दिखना चाहिए विकासह्न बैठक के दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने प्रशासन को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मीरा-भायंदर का विकास केवल कागजों और बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक देरी के कारण लंबित पड़ी परियोजनाओं को अब और नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दिवाली के बाद प्रत्येक विभाग की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की जाएगी और विकास कार्यों में हुई देरी के कारणों की जांच की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि शहर के नागरिकों को बेहतर सड़कें, नियमित जलापूर्ति, स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मंत्री सरनाईक की इस समीक्षा बैठक के बाद शहर की लंबित विकास परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। अब निगाहें दिवाली के बाद होने वाली समीक्षा और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर टिकी हैं।

लक्ष्मण शक्ति, हनुमान-भरत संवाद और कुंभकरण व मेघनाथ वध के भव्य मंचन ने दर्शकों को किया भावविभोर



बोरीवली (उत्तरशक्ति)। श्री आदर्श रामलीला उप समिति बोरीवली के तत्वावधान में पंडित रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम) में आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को लक्ष्मण शक्ति, हनुमान-भरत संवाद तथा कुंभकरण और मेघनाथ वध के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला के इन मार्मिक और रोमांचक दृश्यों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। लक्ष्मण शक्ति प्रसंग ने भावुक किए दर्शक रामलीला में मेघनाथ के शक्तिबाण से लक्ष्मण के मूर्छित होने का दृश्य बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। लक्ष्मण की स्थिति देखकर भगवान श्रीराम की व्याकुलता और उनके मन में अपने छोटे भाई के प्रति असीम प्रेम को कलाकारों ने सजीव रूप में दर्शाया। इसके बाद हनुमानजी द्वारा लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने के प्रसंग ने दर्शकों में भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का संचार किया। हनुमानजी के अदम्य साहस, समर्पण और सेवाभाव की प्रस्तुति पर दर्शकों ने खूब सराहना की। हनुमान-भरत संवाद ने दिखाया अटूट भक्ति और समर्पण हनुमान-भरत संवाद के माध्यम से भगवान श्रीराम के प्रति दोनों भक्तों की अटूट श्रद्धा, निष्ठा और सेवाभाव का सुंदर चित्रण किया गया। वहीं, कुंभकरण वध और मेघनाथ वध के दृश्यों में रामायण के युद्ध प्रसंगों को प्रभावशाली तरीके से मंच पर उतारा गया। इन प्रसंगों ने दर्शकों को धर्म, सत्य, साहस और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दोपहर का सामना के संवाददाता अनिल पांडेय, लोक गायक सुरेश शुक्ला, उत्तर भारतीय मंच के अध्यक्ष, धर्मेंद्र चतुर्वेदी, उद्योगपति, रवि प्रकाश सिंह, भाजपा नेता, सुनील सिंह तथा राजीव मिश्रा उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष एड. रामकृपाल उपाध्याय ने कहा कि रामलीला के प्रसंग केवल धार्मिक आस्था से ही नहीं जुड़े हैं, बल्कि वे समाज को सत्य, धर्म, त्याग, भाईचारे और भक्ति का महत्वपूर्ण संदेश भी देते हैं।

वाराणसी से राजातालाब और औंड़िहार तक बढ़ेंगी मेमू की रफ्तार

-सुरेश गांधी

वाराणसी। वंदे भारत स्लीपर की सौगात के साथ पूर्वोत्तर रेलवे ने स्थानीय रेल यात्रियों की सुविधा का भी विस्तार किया है। एक नवंबर से वाराणसी सिटी-राजातालाब के बीच चार जोड़ी मेमू ट्रेनें नियमित रूप से चलेंगी। वहीं बनारस-प्रयागराज रामबाग मेमू का विस्तार औंड़िहार तक कर दिया गया है। इन सेवाओं का संचालन आठ मेमू रेक से किया जाएगा। वाराणसी सिटी और राजातालाब के बीच चलने वाली ट्रेनों से शहर के दक्षिणी हिस्से और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को राहत मिलेगी। पहली मेमू वाराणसी सिटी से सुबह 5:15 बजे चलकर 6:15 बजे राजातालाब पहुंचेगी। दूसरी सुबह 7:45 बजे चलकर 8:45 बजे पहुंचेगी। तीसरी सुबह 9:10 बजे रवाना होकर 10:10 बजे और चौथी शाम 4 बजे चलकर 5:05 बजे राजातालाब पहुंचेगी। वापसी में राजातालाब से पहली ट्रेन सुबह 6:55 बजे, दूसरी 10:50 बजे, तीसरी दोपहर एक बजे और चौथी शाम 5:25 बजे रवाना होगी। ये ट्रेनें हरदतपुर, भुल्लनपुर, बनारस और वाराणसी होते हुए वाराणसी सिटी पहुंचेंगी।

एक नवंबर से आठ मेमू रेक से होगा संचालन, बनारस-प्रयागराज रामबाग ट्रेन का औंड़िहार तक विस्तार, ग्रामीण यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

अब औंड़िहार से प्रयागराज तक सीधी मेमू

रेलवे ने 65111/65112 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेमू का विस्तार औंड़िहार तक कर दिया है। एक नवंबर से ट्रेन संख्या 65111 औंड़िहार से सुबह 4:15 बजे रवाना होकर वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस, राजातालाब, कछवा रोड, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड और हंडिया खास सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह 9:05 बजे प्रयागराज रामबाग पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 65112 प्रयागराज रामबाग से शाम 6:50 बजे रवाना होकर रात 11:55 बजे औंड़िहार पहुंचेगी। इस विस्तार से औंड़िहार, सारनाथ, वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को प्रयागराज तक सीधी रेल सुविधा मिलेगी।

बनारस से प्रयागराज के लिए भी नई मेमू

इसके अलावा बनारस से प्रयागराज रामबाग के बीच नई मेमू सेवा भी नियमित होगी। ट्रेन संख्या 65123 बनारस से सुबह सात बजे चलकर 9:50 बजे प्रयागराज रामबाग पहुंचेगी। वापसी में 65124 प्रयागराज रामबाग से शाम छह बजे चलकर रात 8:30 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन राजातालाब, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास और झूसी में ठहरेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार के अनुसार, इन सेवाओं का नियमित संचालन एक नवंबर से शुरू होगा।

ट्रांसरेल रिन्यूएबल बिजली उत्पादन में रखेगी कदम

मुंबई। पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र की प्रमुख इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड के निदेशक मंडल ने एनओपीएल पेस ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एनओपीएल) में 49% इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। 20 करोड़ रुपये के नकद भुगतान वाला यह अधिग्रहण आवश्यक विनियामक अनुमतियों और अन्य शर्तों की पूर्ति पर निर्भर है। एनओपीएल भारत सरकार की पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट सी के तहत महाराष्ट्र में लगभग 990 मेगावाट (एसी) की कुल क